पेज : 2

पेज : 8

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

# भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, सोमवार, 26 मई 2025, वर्ष : 9, अंक : 61 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

## देश की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने की कतार में जस्टिस नागरत्ना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की 5वीं सीनियर जस्टिस बीवी नागरत्ना आज आधिकारिक रूप से कॉलेजियम का हिस्सा बनेंगी। जस्टिस अभय एस. ओका के रिटायरमेंट के बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में सदस्य बनाया जा रहा है। इस तरह कॉलेजियम में अब चीफ जस्टिस बी.आर. गवई, जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस नागरत्ना होंगे। जस्टिस नागरत्ना देश की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने की कतार में हैं। वह 29 अक्टूबर 2027 को रिटायरमेंट तक इस सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का हिस्सा रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट के सूत्रों ने बताया कि चीफ जस्टिस गवई सुप्रीम कोर्ट में खाली पदों को भरने और कई हाई कोर्टों में अहम नियुक्तियां करने के लिए सोमवार को अपनी पहली कलीजियम बैठक बुला सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस ओका के रिटायर होने के बाद न्यायाधीशों के खाली पदों की संख्या तीन हो जाएगी। कॉलेजियम सिस्टम 1993 में वजूद में आया था। इसके तहत, सुप्रीम कोर्ट के पांच सीनियर मोस्ट जस्टिस सर्वोच्च न्यायालय और 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति, तबादले और प्रमोशन की सिफारिश करते हैं। सरकार कॉलेजियम की सिफारिशें लौटा सकती है। हालांकि, कॉलेजियम के दोबारा सिफारिश करने पर वह आमतौर पर इसे स्वीकार कर लेती है। कई ऐसे मामले भी आए हैं, जब सरकार ने फाइल को फिर से लौटा दिया है या सिफारिशों पर कोई जवाब नहीं दिया।

## तीन देशों की सीमा पर आए भूकंप के झटके, दहशत में भागे लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन देशों की सीमाओं पर आए भूकंप ने लोगों को डरा दिया है। स्थानीय लोग दहशत में घरों से बाहर निकले और सुरक्षित स्थान तलाशने लगे। हालांकि भूकंप बहुत ज्यादा नहीं था, इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई है। यह भूकंप पहले शनिवार को आया इसके बाद रविवार को भी मामूली झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप की वजह से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा, अफगानिस्तान के उत्तरी क्षेत्र और ताजिकिस्तान के सुदूरवर्ती इलाकों में कंपन महसूस किया गया। भूकंप वैज्ञानिकों का कहना है कि यह इलाका तीन टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने वाले क्षेत्र में आता है, इसलिए यहां अक्सर हल्के से मध्यम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान की सीमावर्ती इलाकों में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई है। स्थानीय समयानुसार भूकंप सुबह करीब 9 बजे के आसपास आया। झटकों की वजह से लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदू कुश पर्वतीय क्षेत्र के पास बताया जा रहा है जो अक्सर भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। हालांकि फिलहाल किसी बड़े जान-माल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है।

## ताजमहल को उड़ाने की धमकी...

आगरा (एजेंसी)। आगरा में केरल से शनिवार की सुबह पर्यटन विभाग के पास आए एक ई-मेल में ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी के बाद हाई अलर्ट कर दिया गया। सीआईएसएफ, ताजगंज, पर्यटन, ताज सुरक्षा और सर्किल के फोर्स ने बम निरोधक दस्ते, स्निफर डॉग्स के साथ तीन घंटे तक ताजमहल का चप्पा-चप्पा छान मारा। इस दौरान प्रवेश द्वारों पर पर्यटकों को पैन तक नहीं ले जाने दिया गया। तीन घंटे के तलाशी अभियान के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह एक हॉक्स मेल था, साइबर सेल इसकी जांच कर रही है।

## वकीलों के मेडिकल इंश्योरेंस के लिए सिब्बल ने अंबानी-अडानी से मांगे 50 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल द्वारा वकीलों के लिए शुरू की गई 50 करोड़ की सामूहिक स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर एसोसिएशन में आंतरिक विवाद उभर आया है। इस योजना के तहत देश के प्रमुख उद्योगपतियों से धन जुटाया गया है, लेकिन एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने इसे लेकर पुनर्विचार या रद्द करने की बात कही है।

सिब्बल ने वकीलों की चिकित्सा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उद्योगपतियों से फंड इकट्ठा कर 2 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर देने की पहल की। योजना के तहत नेशनल इंश्योरेंस कंपनी के माध्यम से अपोलो समूह की मदद से बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। इस बीमा योजना का लाभ लगभग 2,700-2,800 सदस्यों को मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके लिए देश के प्रमुख उद्योगपति और रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने 10 करोड़ रुपये दिए। इसके अलावा, अनिल अंबानी, गौतम अडानी, एन चंद्रशेखरन (टाटा), समीर मेहता (टोरेंट), जीएम राव, कुमार मंगलम बिड़ला, अनिल अग्रवाल (वेदांता), लक्ष्मी मित्तल जैसे कारोबारियों ने 5 करोड़ दिए।

एसोशिएसन के नए अध्यक्ष विकास सिंह ने कहा, मेरी व्यक्तिगत राय में इस योजना को फिर से बातचीत के जरिए बदला जाना चाहिए या समाप्त कर देना चाहिए। 2 लाख के बीमा कवर के लिए जो प्रीमियम हम दे रहे हैं वह 5 लाख के कवर की तुलना में कहीं ज्यादा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह योजना केवल आर्थिक रूप से जरूरतमंद वकीलों के लिए होनी चाहिए, न कि सभी के लिए, जिसमें वे खुद और सिब्बल भी शामिल हैं।

# एनडीए की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

## 'ऑपरेशन सिंदूर' और जाति जनगणना पर प्रस्ताव पारित

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की एक दिवसीय बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है। अशोका होटल में आयोजित इस महत्वपूर्ण सत्र की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की, जिसमें कई वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री भी उपस्थित थे। इस बैठक में एनडीए शासित राज्यों के लगभग 20 मुख्यमंत्रियों और 18 उपमुख्यमंत्रियों ने भाग लिया।

बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे प्रमुख नेता भी मौजूद थे। इस महत्वपूर्ण आयोजन के दौरान दो प्रमुख प्रस्ताव पारित किए गए, एक प्रस्ताव 'ऑपरेशन सिंदूर' से संबंधित था, जबकि दूसरा प्रस्ताव जाति जनगणना पर केंद्रित था। यह दर्शाता है कि गठबंधन ने सुरक्षा और सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन चर्चा की है।

### जेपी नड्डा ने जानकारी दी

एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, 'आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का सीएम सम्मेलन हुआ। इस बैठक में हमारे 20 सीएम और 18 डिप्टी सीएम मौजूद थे। 2 प्रस्ताव पारित किए गए। पहला प्रस्ताव ऑपरेशन सिंदूर पर था, जो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में किया गया और हमारी सेना के काम की बहुत प्रशंसा की गई और सेना द्वारा दिखाई गई बहादुरी की बहुत सराहना की गई। इसलिए, यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।'

जेपी नड्डा ने कहा, 'आज बैठक में जातिगत जनगणना को लेकर भी प्रस्ताव पारित किया गया। और सभी ने इस पर अपनी सहमति दी है, साथ ही मोदी जी के इस फैसले की सराहना की और उन्हें बधाई दी। हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि हम जाति की राजनीति नहीं करते हैं, बल्कि वंचित, पीड़ित और शोषित, जो छूट गए हैं, उन्हें मुख्यधारा में लाना चाहते हैं। यह समाज की जरूरत है।'

### दो प्रस्ताव पारित किए गए: शिंदे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, 'दो प्रस्ताव पारित किए गए, पहला ऑपरेशन सिंदूर पर और दूसरा जाति जनगणना पर। सभी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए हमारे सशस्त्र बलों और प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद और बधाई दी।'

## कोच्चि तट पर डूबा लाइबेरिया शिप

### कोस्ट गार्ड और नेवी ने सभी क्रू मेंबर्स को बचाया

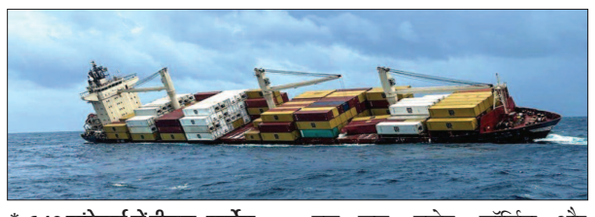

* 640 कंटेनर्स में डीजल, फर्नेस ऑयल और खतरनाक केमिकल्स लदा था

**कोच्चि (एजेंसी)।** केरल में कोच्चि तट पर लाइबेरिया का कार्गो शिप एमएससी एल्सा 3 डूब गया। इंडियन कोस्ट गार्ड और नेवी ने सभी 24 क्रू मेंबर्स को रेस्क्यू कर बचाया। शिप पर लदे 640 कंटेनर्स में कैल्शियम कार्बाइड, डीजल, फर्नेस ऑयल समेत कुछ खतरनाक केमिकल्स थे।

शिप 23 मई को केरल के ही विझिनजाम पोर्ट से कोच्चि के लिए रवाना हुआ था। 24 मई को दोपहर कोच्चि तट से 38 समुद्री मील की दूरी पर करीब 26 डिग्री तक झुकने की खबर मिली। इमरजेंसी की सूचना मिलते ही कोच्चि में आईसीजी मरीन सब सेंटर ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। देर शाम तक रूस, यूक्रेन, जॉर्जिया और फिलीपींस के 24 क्रू मेंबर्स में से 21 को बचा लिया गया। बाकी तीन सीनियर क्रू मेंबर शिप को डूबने से बचाने की कोशिश के लिए शिप पर ही रहे।

शिप का झुकाव बढ़ता रहा और रविवार को वह डूब गया। नेवी शिप आईएनएस सुजाता ने बाकी तीन क्रू मेंबर्स को भी बचा लिया जो शिप को बचाने की कोशिश कर रहे थे। शिप के एक तरफ झुकने की वजह का अभी पता नहीं चला है। आईसीजी ने पॉल्यूशन रिस्पॉन्स की तैयारी शुरू की केरल तट पर संवेदनशील समुद्री इकोसिस्टम को देखते हुए आईसीजी ने पॉल्यूशन रिस्पॉन्स की तैयारी शुरू कर दी है। ऑयल लीकेज का पता लगाने वाली एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस विमान हवाई निगरानी कर रहे हैं। अभी तक तेल रिसाव की सूचना नहीं है।

## लालू यादव ने बेटे तेज प्रताप को पार्टी से निकाला, उससे संबंध रखने वालों को भी चेताया

### -पार्टी अनुशासन और पारिवारिक मूल्यों के उल्लंघन का आरोप

**पटना (एजेंसी)।** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने ज्येष्ठ पुत्र तेज प्रताप यादव को पार्टी से छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई तेज प्रताप यादव द्वारा निजी जीवन से जुड़ी एक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद हुई है।

दरअसल तेज प्रताप ने हाल ही में अपनी गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव के साथ एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपने रिलेशनशिप की जानकारी दी थी। इसके बाद उन्होंने पोस्ट को संशोधित किया और बाद में दावा किया कि उनका सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो गया था। इस पर सख्त प्रतिक्रिया देते हुए लालू यादव ने कहा, कि निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। तेज प्रताप का लोक आचरण और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार परिवार और पार्टी के मूल्यों के अनुकूल नहीं है।

राजद प्रमुख ने यह भी स्पष्ट किया कि तेज प्रताप यादव को अब पार्टी और परिवार दोनों से बाहर कर दिया गया है और उनकी किसी भी प्रकार की भूमिका नहीं रहेगी।

लालू यादव ने कहा, अब से तेज प्रताप का पार्टी या परिवार से कोई संबंध नहीं रहेगा। जो लोग उनसे संबंध रखना चाहें, वे स्वविवेक से निर्णय लें।

इसी बीच, तेजप्रताप यादव के छोटे भाई और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी इस मुद्दे पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि तेज प्रताप अपने निजी फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन वह पार्टी अध्यक्ष के फैसले के पूर्ण समर्थन में हैं। इस घटनाक्रम को लेकर बिहार की राजनीति में हलचल मच गई है। राजनीतिक विश्लेषक इसे राजद के अंदर अनुशासन और नेतृत्व की पुनर्पुष्टि के तौर पर देख रहे हैं।

## थरूर के नेतृत्व में सांसदों की टीम ने आतंकवाद विरोधी 'शांति मिशन' शुरू किया

**न्यूयॉर्क/नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस के लोकसभा सांसद शशि थरूर ने शनिवार को सांसदों की एक सर्वदलीय टीम के साथ 'शांति मिशन' की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य 'हमे आतंकवाद खामोश नहीं करा सकता' संदेश पहुंचाना है।

भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक बयान में कहा, 'आतंकवाद के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता के भारत के मजबूत संदेश को दुनिया के सामने लाना! डॉ. शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का न्यूयॉर्क में राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने स्वागत किया।'

आठ सांसद और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू कैरेबियन सहित अमेरिका में मिशन के शुरुआती चरण में यहां पहुंचे।

वे अमेरिका पर हुए सबसे भयानक आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में 9/11 स्मारक का दौरा करने वाले थे। वे वहां प्रवासी समुदाय के सदस्यों से भी मिलेंगे।

टीम यहां से गुयाना, पनामा, कोलंबिया और ब्राजील जाएगी और फिर नेताओं, सांसदों और राय बनाने वालों से मिलने के लिए अमेरिका लौटेगी।

टीम के भारत से रवाना होने से पहले थरूर ने कहा, 'हम देश के लिए बोलने जा रहे हैं, इस भयावह संकट के बारे में बोलने जा रहे हैं, जिसमें हमारे देश पर आतंकवादियों ने सबसे क्रूर तरीके से हमला किया।' उन्होंने कहा, 'हमें अपने देश के लिए, अपनी प्रतिक्रिया के लिए स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ बोलने की जरूरत है और दुनिया को यह संदेश देना है कि हम आतंकवाद से चुप नहीं रहेंगे।'

आतंकवाद के खिलाफ देश की एकजुटता को प्रदर्शित करते हुए, इस टीम का नेतृत्व विपक्षी कांग्रेस पार्टी के थरूर कर रहे हैं और इसमें लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की शांभवी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के सरफराज अहमद और शिवसेना के मिलिंद मुरली देवड़ा शामिल हैं।

अन्य सदस्यों में भाजपा के शशांक मणि त्रिपाठी, भुवनेश्वर कलिता और तेजस्वी सूर्या तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी के जीएम हरीश बालयोगी शामिल हैं।

पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध द रेजिस्टेंस फ्रंट के आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में 26 नागरिकों की हत्या के बाद, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी केंद्रों पर हमला किया।

पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया, जिसमें भारत में गुरुद्वारों, मंदिरों और कॉन्वेंटों सहित पूजा स्थलों और चिकित्सा सुविधाओं जैसे नागरिक ढांचों को निशाना बनाया गया, जिससे संघर्ष में वृद्धि हुई।

## केंद्र सरकार पीओसीएसओ एक्ट में बदलाव पर करे विचार: सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा है कि वह पीओसीएसओ एक्ट में बदलाव करने पर विचार करे। यह एक्ट बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया है। कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह देश में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा के लिए एक नीति बनाए यानी स्कूलों में बच्चों को यौन संबंध और प्रजनन के बारे में सही जानकारी दी जानी चाहिए।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है। सरकार को महिला और बाल विकास मंत्रालय के जरिए से जवाब देना है। कोर्ट ने कहा है कि सरकार एक कमेटी बनाए। यह कमेटी इस मुद्दे पर विचार करेगी और 25 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। रिपोर्ट मिलने के बाद कोर्ट फैसला लेगा। यह मामला पश्चिम बंगाल की एक महिला से जुड़ा है। इस महिला के पति को पीओसीएसओ एक्ट के तहत 20 साल की जेल हुई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने उस महिला के साथ संबंध बनाए जब वह 14 साल की थी। कोर्ट इस मामले की

सुनवाई कर रहा है।

कोर्ट ने इस मामले में दो सीनियर वकील को नियुक्त किया था। उन्होंने सुझाव दिया कि आपसी सहमति से संबंध बनाने वाले किशोरों को सुरक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पीओसीएसओ एक्ट नाबालिगों को यौन शोषण से बचाने के लिए जरूरी है, लेकिन अगर इसे किशोरों के आपसी संबंधों में सख्ती से लागू किया जाता है, तो इसके नतीजे अच्छे नहीं होंगे। इससे उन किशोरों और उनके परिवारों को नुकसान हो सकता है।

सीनियर वकीलों के सुझावों को मानते हुए कोर्ट ने केंद्र सरकार को इस मामले में शामिल किया और नोटिस जारी किया। वकीलों ने यह भी कहा कि दिल्ली और मद्रास जैसे कई हाईकोर्ट ने इस मामले में अलग राय रखी है। उन्होंने पीओसीएसओ एक्ट के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए कहा है कि इसका मकसद आपसी सहमति से बनने वाले रोमांटिक रिश्तों को अपराध बनाना नहीं है।

बता दें दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में फरवरी में एक लड़के को राहत दी और उसके खिलाफ मामले को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कानून का ध्यान शोषण और दुर्व्यवहार को रोकने पर होना चाहिए, न कि प्यार को दंडित करने पर। कोर्ट ने कहा कि प्यार एक मौलिक मानवीय अनुभव है, और किशोरों को भावनात्मक संबंध बनाने का अधिकार है। कानून को इन रिश्तों को स्वीकार करने और उनका सम्मान करने के लिए विकसित होना चाहिए, जब तक कि वे सहमति से हों और जबरदस्ती से मुक्त हों।

## अमृतसर में अकाली दल के पार्षद की गोली मारकर हत्या

अमृतसर । अमृतसर में जंडियाला गुरु से अकाली दल के पार्षद हरजिंदर सिंह की छेहरटा के पास गुरद्वारा साहिब के नज़दीक गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामले की जांच की। पुलिस के मुताबिक, जंडियाला से हरजिंदर सिंह अमृतसर के छेहरटा में एक समारोह में आए। जैसे ही वह बाहर निकले तो नकाबपोश व्यक्तियों ने हरजिंदर सिंह पर फायरिंग कर दी और हरजिंदर सिंह की मौत हो गई। पंजाब पुलिस के एडीसीपी हरपाल सिंह ने कहा, जब हरजिंदर सिंह अपने रास्ते पर जा रहे थे, तो तीन से चार व्यक्ति मोटरसाइकिल पर सवार होकर उनके पास आए और उन पर गोलियां चला दीं। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। उनके भाई और बहनोई के अनुसार, हमलावर वही लोग थे, जिन्होंने पहले भी उनके घर पर गोलियां चलाई थीं और उन्हें धमकियां दी थीं। आरोपियों का चेहरा सीसीटीवी में भी कैद हो गया है।

## भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बना, जापान को भी पीछे छोड़ा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। अब हमारी अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है। यह घोषणा नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवी आर सुब्रह्मण्यम ने की है। उन्होंने कहा है कि भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह आंकड़ा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के लेटेस्ट आंकड़ों पर आधारित है। सुब्रह्मण्यम ने यह जानकारी नई दिल्ली में आयोजित 10वीं नीति आयोग गवर्निंग कार्उंसिल बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता में दी।

बैठक के दौरान 'विकसित राज्य से विकसित भारत 2047 विषय पर केंद्र और राज्यों के बीच गहन विचार-विमर्श हुआ। नीति आयोग के सीईओ ने बताया कि इस बैठक में मैन्युफैक्चरिंग, सेवाएं, ग्रामीण और शहरी गैर-कृषि क्षेत्र, अनौपचारिक क्षेत्र, ग्रीन और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। सुब्रह्मण्यम ने कहा, ÷भारत अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां से उसकी अर्थव्यवस्था बहुत तेज गति से आगे बढ़ सकती है। हम टेक-ऑफ स्टेज पर हैं।

### अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से आगे

सुब्रह्मण्यम ने कहा, जैसा कि मैं बोल रहा हूं, भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। हमारी अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है। यह मेरा नहीं बल्कि आईएमएफ का डेटा है। भारत अब जापान से आगे निकल गया है। उन्होंने आगे कहा कि अब केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से आगे हैं। यदि भारत की आर्थिक प्रगति इसी रफ्तार से चलती रही तो आने वाले 2 से 3 वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

### अगले साल 4,187 अरब डॉलर होगी

आईएमएफ की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (अप्रैल 2025) रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में भारत की जीडीपी करीब 4,187 अरब डॉलर होगी। वहीं, जापान की जीडीपी अनुमानित रूप से 4,186 अरब डॉलर रहने की संभावना है। भारत 2024 तक दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। आईएमएफ का कहना है कि भारत 2025 और 2026 में क्रमश- 6.2 प्रतिशत और 6.3 प्रतिशत की दर से विकास करेगा। इसके विपरीत वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास दर 2025 में 2.8 प्रतिशत और 2026 में 3 प्रतिशत रहने की संभावना है। यह आंकड़े भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को रेखांकित करते हैं।

# न्यायपालिका से सवाल, लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद की परंपरा का परिचय और प्रमाण



**प्रो. रसाल सिंह**

राष्ट्रपति ने कानून निर्माण के संबंध में राज्यपाल और राष्ट्रपति को संविधानप्रदत्त शक्तियों को न्यायिक आदेश द्वारा सीमित/नियंत्रित किए जाने पर प्रश्न चिह्न लगाया है। ये प्रश्न भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में अंतर्निहित संवाद की स्वस्थ परंपरा का परिचय और प्रमाण हैं। दरअसल हाल में उच्चतम न्यायालय ने राज्यपाल बनाम तमिलनाडु राज्य नामक वाद का निर्णय दिया था। यह मामला तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों से संबंधित था। राज्य सरकार का कहना था कि विधानसभा द्वारा पारित कई विधेयक लंबे समय से राज्यपाल द्वारा लंबित रखे गए हैं। साथ ही राज्य सरकार ने राज्यपाल द्वारा एक साथ कई विधेयकों को राष्ट्रपति को विचारार्थ भेजने पर भी प्रश्न उठाया था।

पिछले दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उच्चतम न्यायालय से 14 सवाल पूछे। ये सवाल राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 143 (1) के तहत किए गए हैं। मूलतः ये प्रश्न न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की संवैधानिक शक्तियों और कार्यक्षेत्र से भी संबंधित हैं। राष्ट्रपति ने कानून निर्माण के संबंध में राज्यपाल और राष्ट्रपति को संविधानप्रदत्त शक्तियों को न्यायिक आदेश द्वारा सीमित/नियंत्रित किए जाने पर प्रश्न चिह्न लगाया है। ये प्रश्न भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में अंतर्निहित संवाद की स्वस्थ परंपरा का परिचय और प्रमाण हैं। दरअसल हाल में उच्चतम न्यायालय ने राज्यपाल बनाम तमिलनाडु राज्य नामक वाद का निर्णय दिया था। यह मामला तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों से संबंधित था। राज्य सरकार का कहना था कि विधानसभा द्वारा पारित कई विधेयक लंबे समय से राज्यपाल द्वारा लंबित रखे गए हैं। साथ ही राज्य सरकार ने राज्यपाल द्वारा एक साथ कई विधेयकों को राष्ट्रपति को विचारार्थ भेजने पर भी प्रश्न उठाया था। निश्चय ही, राज्यपाल द्वारा अनिश्चित अवधि तक विधेयकों को लंबित रखना भी संविधानसम्मत नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने उपरोक्त मामले में कुछ संवैधानिक पहलुओं को नए सिरे से प्रस्तुत किया है। पहला, राज्यपाल एवं राष्ट्रपति द्वारा विधेयकों को स्वीकृति प्रदान करने के लिए समयसीमा का निश्चित किया जाना है। यह समय सीमा तीन माह तय की गई है। दूसरा, अगर समयसीमा के भीतर राज्यपाल या राष्ट्रपति द्वारा विधेयक पर प्रतिक्रिया नहीं दी जाती है तो राज्य के अनुरोध पर उच्चतम न्यायालय परमादेश रिट के तहत विधेयक को स्वीकृति प्रदान करने की क्षमता रखता है। तीसरा, उच्चतम न्यायालय ने स्वयं को संविधान के अनुच्छेद 142 द्वारा प्रदत्त शक्ति का उपयोग करते हुए 10 लंबित विधेयकों को कानून का दर्जा दे दिया है। इस तरह यह पहला अवसर है जब बिना राष्ट्रपति या राज्यपाल की स्वीकृति के विधेयक कानून बन गए हैं। यह न्यायपालिका द्वारा अपनी संवैधानिक शक्तियों और मयार्दा का अतिक्रमण है। इस निर्णय की पृष्ठभूमि में संवैधानिक वस्तुस्थिति को समझना आवश्यक है। सर्वप्रथम अनुच्छेद 200 की बात आती है। इसके तहत राज्यपाल या तो विधेयक को स्वीकृति देता है या उसे रोक लेता है या वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए प्रेषित कर देता है। राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित विधेयक के लिए एक कसौटी का उल्लेख है। वह यह है कि ह्यराज्यपाल की राय में यदि वह (विधेयक) कानून बन जाए तो उच्च न्यायालय की शक्तियों को इस प्रकार अल्पीकृत करेगा कि वह व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी, जिसे भरने के लिए संविधान द्वारा उसका निर्माण किया गया है। राज्यपाल की राय में के दो अर्थ हो सकते हैं। पहला यह कि राज्यपाल मंत्रिपरिषद के सहयोग एवं सुझाव से ऐसा करेगा। अब सवाल यह उठता है कि मंत्रिपरिषद जो विधानमंडल का हिस्सा है और विधेयक बनाने में शामिल है, आखिर क्यों पहले अपने क्षेत्राधिकार से बाहर विधेयक पारित करेगी और फिर राज्यपाल को परामर्श देकर उसे राष्ट्रपति को भिजवाएगी। दूसरा यह कि राज्यपाल अपने विवेकाधिकार का प्रयोग करते हुए ऐसा करेगा। अनुच्छेद 201 दूसरा अनुच्छेद है, जो इस बहस में आया है। इसमें राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित विधेयक से संबंधित चर्चा है। इसके तहत राष्ट्रपति या तो विधेयक पर स्वीकृति देता है या उसे रोक देता है। साथ ही वह अपने सुझावों और निर्देश के साथ विधेयक को राज्यपाल के माध्यम से वापस विधानमंडल को भेज सकता है। तत्पश्चात वह पुनः विधानमंडल से पारित कराकर राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। इसके आगे राष्ट्रपति उस विधेयक पर क्या फैसला लेते हैं? इस पर संविधान में स्पष्टता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार राज्यपाल अब पहली प्रस्तुति में तीन महीने एवं दूसरी प्रस्तुति में अधिकतम एक महीने तक ही विधेयक को अपने पास रख सकते हैं। विधेयक निर्माण प्रक्रिया में राज्यपाल के ह्यविवेकाधिकारह्व को उच्चतम न्यायालय ने अब न्यायिक समीक्षा के अंतर्गत बताया है। यह पहले से चली आ रही प्रणाली में बहुत बड़ा बदलाव है, जिसमें राज्यपाल के विवेकाधिकार को सीमित किया गया है। इसके आगे कोर्ट ने अनुच्छेद 200 एवं 201 के तहत राष्ट्रपति के विचारार्थ प्रेषित विधेयकों को संवैधानिक एवं वैधानिक त्रुटियों से बचाने के लिए, राष्ट्रपति को अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से सुझाव लेने के लिए भी निर्देशित किया है। राष्ट्रपति को दिए गए निर्देश के मद्देनजर ऐसा प्रतीत होता है कि विधेयक के कानून बनने के पूर्व ही न्यायपालिका का हस्तक्षेप हो रहा है। किसी भी विधेयक को प्रस्तुत करने एवं उस पर बहस करने का कार्य जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों का ही होता है। विधायिका के इस कार्य में हस्तक्षेप संविधान के बुनियादी ढांचे को चुनौती देता है। भारत में संघीय व्यवस्था के बावजूद केंद्रीय प्रवृत्ति वाला राष्ट्र है। यह व्यवस्था अलगाव और अराजकता को नियंत्रित करते हुए देश की एकता-अखंडता सुनिश्चित करती है। उपरोक्त निर्णय की पृष्ठभूमि में राष्ट्रपति द्वारा पूछे गए प्रश्नों के आलोक में न्यायपालिका के उत्तर से न सिर्फ केंद्र-राज्य के संबंधों के समीकरण प्रभावित होगा, बल्कि न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के संबंध और कार्यक्षेत्र भी पुनर्परिभाषित होंगे।

## संपादकीय

### सेहरा बांधने का वक्त

अमृता आर. पंडित

भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दोहराया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाक व उसके आतंकवादी संचालकों को झुकने पर मजबूर कर दिया। राजस्थान के बीकानेर में रैली को संबोधित करते करते हुए उन्होंने कहा कि, 'जो लोग महिलाओं के माथे से सिंदूर पोंछने निकले थे, वे धूल में मिल गए। मोदी सीना तान कर खड़ा है, मोदी का दिमाग ठंडा है मगर खून गर्म है। उन्होंने यह भी जोड़ा, अब मेरी रगों में खून नहीं, सिंदूर दौड़ रहा है।' बीकानेर पाकिस्तान से 168 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है और पड़ोसी मुल्क के पंजाब के बहावलपुर जिले के बिल्कुल सामने है। इसलिए इस इलाके के बाशिंदों को सीमा पार से होने वाले हमलों या घसपैठियों का सीधा सामना करना पड़ता है।

मोदी ने स्थानीय लोगों को परमाणु खतरों से भयभीत न होने के साथ ही पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर बात करने की भी चर्चा की। कहा जा सकता है कि मोदी ने दुश्मन देश के भीतर घुसकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि वह आंतकवाद को लेकर अपनी नीति में तब्दीली ला रहा है और मासूम देशवासियों के खून का बदला लेने में किसी की सलाह का इंतजार नहीं करने वाला। अब दिखावटी भभकियां देने का वक्त नहीं रहा। आतंकवाद को प्रश्रय देने वाले दुश्मन मुल्क के सैन्य प्रतिष्ठानों पर आतंकवादी संगठनों से मिलीभगत रखने के आरोप पहले ही लगते रहे हैं। राजनीतिक अस्थिरता, लोकतंत्र पर लगने वाली खरोचें और आर्थिक ढुलमुलाहट ने पाक को भीतर से झकझोर रखा है। वह मित्र देशों के बलबूते ज्यादा देर तक भारतीय सुरक्षा बलों के समक्ष खड़ा नहीं रह सकता, इसका उसे अहसास हो चुका है। तमाम संदेहों के बावजूद मोदी के कट्टर विरोधियों ने भी इस हमले को लेकर एक सुर में अहम बताया और सुरक्षाबलों का हौसला बढ़ाने में कसर नहीं छोड़ी। लाजिमी है कि सत्ता की बागडोर संभालने वालों को संवैधानिक ढांचे का सम्मान रखते हुए सुरक्षा-व्यवस्था पर सदन में गंभीर चर्चा भी करनी चाहिए। यह किसी शख्स की जीत या हार नहीं बल्कि आतंकवाद के खिलाफ चालू हुआ ऑपरेशन कहा जा सकता है।

## चिंतन-मनन

### सादगी और निष्ठा

मोतीहारी में गांधीजी कार्यकताओं को निर्देश दे रहे थे- आज अवंतिका आनेवाली होगी, उसे स्टेशन से लिवा लाना और कमरे में ठहरा देना। एक ने कहा-बापू उसे इन साधारण कमरों में चटाई पर सोना क्यों पसंद होगा? वह तो पहले दरजे में सफर की आदी है। बापू ने कहा-वह जनसेवक के तौर पर आ रही है। जनसेवक के अनुरूप अगर तीसरे दरजे में आई तो उसे यहीं रखूंगा, वरना वापस भेज दूंगा। पर बापू .... दूसरे ने संकोच में कहा-उनके पास पैसा है, वह भी उन्हीं का कमाया हुआ। उसे खर्च करने में क्या बुराई है? खर्च का मतलब अपव्यय तो नहीं। स्वयं सेवक गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी के साथ आवंतिका बाई को लेने स्टेशन गए। देवदास ही अकेले उन्हें पहचानते थे। देवदास ने उम्मीद के मुताबिक उन्हें दूसरे दरजे के डिब्बों में खोजा, लेकिन कहीं पता न चला। तब वे निराश होकर वापस आ गए और खबर दी कि अवंतिका बाई इस गाड़ी से नहीं आईं। यह सुनकर सब लोग हंसने लगे। दरअसल अवंतिका अपने पति के साथ पहले ही एक साधारण कमरे में ठहर चुकी थीं। यात्रा उन्होंने तीसरे दर्जे में की थी और बापू की कसौटी पर खुद को खरा साबित किया। शाम को गांधीजी उन्हें समझाने लगे- किस तरह बड़हखा गांव जाकर काम शुरू करना करना है। इस पर कस्तूरबा ने कहा- ये आज ही आए हैं और कल दीवाली है। दीवाली मनाकर जाएं। नहीं ऐसा नहीं होगा, इन्हें कल सुबह ही निकलना होगा। गांधीजी का स्वर तेज था। एक दिन में क्या हो जाएगा? जनसेवक को निठल्ले नहीं बैठना है। तभी अवंतिका बोलीं- बापू, आप मुझे यह बताएं कि बड़हखा के कायाकल्प के लिए मुझे क्या करना है। गांव की समस्याओं का तो वहीं जाकर अध्ययन करना होगा और गांव वालों का विश्वास जीतना होगा। और विश्वास जीतने के लिए क्या करना होगा? सादगी और निष्ठा का पालन ही तुम्हें विश्वस्त बनाएगा। जनसेवक की यही संपत्ति है। यह सुनकर आवंतिका बाई तैयारी में जुट गईं।

# पानी का झगड़ा-पाकिस्तान में गृह युद्ध छिड़ा -बलूचिस्तान व सिंध आजादी पर अड़ा

वैश्विक स्तरपर अगर दशकों पूर्व के इतिहास पर नजर डालें तो अनेकों ऐसे देश मिलेंगे जो पहले अखंड देश थे फिर इन्हींदेशों के राजनीतिक स्वार्थ के चलते गृह युद्ध होते रहे, व देश टूटते रहे, जिसका सटीक उदाहरण अखंड रूस, अखंड भारत है। अखंड भारत को देखें तो उनमें वर्तमान कुछ देशों के साथ पाकिस्तान भी इसमें शामिल था, जिसे लॉर्ड माउंटबेटन ने प्रक्रियात्मक तरीके से नेताओं के आपसी बातचीत से अलग कर दिया,जबकि 1912 के में सिंध गुजरात व मुंबई बॉम्बे प्रेसीडेंसी के अंतर्गत आते थे। फिर 1928 में अंग्रेजों की सरकार के सामने अलग सिंध प्रांत बनाने की मांग की गई जिसकी कमेटी बनाकर सिफारिश पेश की गई।फिर 1936 में मुंबई प्रेसिडेंसी से अलग कर सिंध को एक राज्य बना दिया गया, हालांकि मुंबई प्रेसिडेंसी में बहुमत हिंदुओं का था, व बाकी मुस्लिम जैन सिख इसाई अपेक्षाकृत कम जनसंख्या में थे। फिर 1941 में सिंध राज्य में मुस्लिम आबादी 72परसेंट व हिंदू आबादी 26 पेर्सेंट हो गई यानें जो मुंबई प्रेसिडेंसी बहुसंख्यक में थे वह सिंध राज्य बनने में अल्पसंख्यक में हो गए। 1947 में लॉर्ड माउंटबेटन ने भारत के बंटवारे को मंजूरी दी, फिर 26 जून 1947 को सिंध विधानसभा ने पाकिस्तान में मिलने का फैसला किया, फिर बंटवारे के बाद 1947-48 में 2 लाख हिंदुओं का नरसिंहार किया गया। यानें नेताओं ने अगर मुंबई प्रेसिडेंसी जिसमें गुजरात मुंबई व सिंध शामिल थे, जिसमें बहुमत हिंदुओं का था,को कायम रखने का व र्षों से भारत में सुनियोजित तरीके से आतंकवादी हमले प्रायोजित करना पाकिस्तान की फितरत रही है, लेकिन इस बार उसे मुंह की खानी पड़ी। भारतीय सेना के शौर्यपराक्रम और सरकार के त्वरित एवं साहसिक निर्णयों ने भारतीय जनमानस की उम्मीदों के अनुरूप 'ऑपरेशन सिंदूर' से उसे ऐसे नाकों चने चबवाए कि भारत के एक ही प्रहार से ध्वस्त और आहत पाकिस्तान में ऐसा हाहाकार मचा कि उसे सीजफायर पर आना पड़ा। पाकिस्तान ऐसा देश है जो अपने भीतरी संघर्षों एवं खून-खराबों से ऊपर उठ नहीं पा रहा है। पीओके वाले गिलगित-बाल्टिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और पाक-अफगान सीमा, जो डूरंड लाइन के आसपास का क्षेत्र है, पर सक्रिय चरमपंथी संगठन तहरीक-एनिर्णय लेते तो आज पूरा सिंध भारत का एक हिस्सा होता। आज हम इस ऐतिहासिक विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि पाक में खैबरपख्तून, बलूचिस्तान के बाद अब सिंध प्रांत भी आजादी के लिए तीव्रता से आंदोलन कर रहा है। हालांकि यह आंदोलन जी एम साईद, नेता ने 1972 से ही शुरू किया था।परंतु अभी सिंध में 176 किलोमीटर लंबी पानी की 6 नई नहरें सिंधु से निकलकर पंजाब भेजने के लिए चेलिस्तान नहर प्रोजेक्ट चल रहा है,जो आज की चिंगारी है तो, दूसरा भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करना भी पानी की त्राहिमाम मचाने में से एक कारण है।चूँकि भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अलग सिंधु देश बनाने की मांग पर जबरदस्त आंदोलन व प्रदर्शन का आगाज जो 1972 से ही चल रहा है तथा भारत के साथ संघर्ष में उलझे पाकिस्तान हुकुमरनों को बुरी खबर आई खबर, पाकिस्तान बलूचिस्तान सिंध की आजादी के लिए उग्र आज उठाई जा रही है,गृहमंत्री का घर जलाने की स्थिति आई इसलिए आज हम मीडिया मे उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे पानी का झगड़ा,पाकिस्तान में गृह युद्ध छिड़ा, बलूचिस्तान व सिंध आजादी पर पड़ा। साथियों बात अगर हम पाक में सिंध की आजादी के लिए तीव्र आंदोलन चलने की करें तो, भारत से तनाव के बीच पाक के सिंध प्रांत में अलग सिंधुदेश बनाने के लिए जोरदार प्रदर्शन शुरू हो गया है। लोग आपदा में अवसर तलाशने की कोशिश कर रहे हैं और ऐसा लग रहा है कि भारत के हमले का इंतजार कर रहे हैं, ताकि अलग अलग प्रांत के लिए पाकिस्तान से टूटकर अलग देश का निर्माण कर सकें। सिंधुदेश की मांग का मतलब सिंधियों के लिए अलग मातृभूमि का निर्माण करना है, जहां लोगों के साथ कोई भेदभाव ना हो और पाक की सेना उन्हें टॉर्चर ना करे। माना जा रहा है कि सिंधुदेश के निर्माण की मांग पाकिस्तान की सेना की दमनकारी नीतियों का परिणाम है,जिसपर पाकिस्तानी पंजाबियों का कंट्रोल है।भारत के साथ संघर्ष में उलझे पाक को घरेलू मोर्चे पर एक और बुरी खबर मिली है। पाकिस्तान में बलोच के बाद अब सिंध प्रदेश में आजादी की मांग उठने लगी है। सिंध में कई लोगों ने अपने अधिकारों और स्वतंत्रता की मांग को लेकर आंदालेन शुरू कर दिया है। सिंधु देश की वकालत करने वाले एक प्रमुख समूह ने हाल में बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। इसमें लापता सिंधी राष्ट्रवादियों की रिहाई की मांग की गई। इस दौरान मानवाधिकार के मुद्दे को भी उठाया गया। सिंध प्रांत में आजादी क मांग बलूचिस्तान की तरह ही तेज हो गई है। जय सिंध फ्रीडम मूवमेंट ने एक शांतिपूर्वक धरने का आयोजन किया। इस प्रदार्शन के दौरान लापता और जेलों में बंद राष्ट्रवादियों की रिहाई की मांग की गई। प्रदर्शन कारियों ने सिंधऔरबलूचिस्तान में होने वाले मानवाधिकार उल्लंघनों को वैश्विक स्तर पर उजागर करने की अपील की। सिंध के लोगों को सरकारी नौकरी तभी मिल सकती है, जब उन्हें ऊर्दू आए। इन घटनाओं ने सिंधियों के बीच अलगाव की भावना को लगातार भड़काया है। विभाजन के बाद जो हिंदू भागकर भारत आ गये, उसका लाभ भी सिंध के लोगों को नहीं हुआ,क्योंकि उनकी संपत्तियों पर मुहाजिरों का कब्जा हो गया। इसके अलावा भारत से गये मुसलमानों को ऊर्दू आती थी, लिहाजा उन्होंने सिंध प्रांत के प्रशासन पर अपना कब्जा कर लिया। साथियों बात अगर हम सिंध के नाराज होने की असली वजह की करें तो, चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट तो इस आग की चिंगारी है, चोलिस्तान नहर प्रोजेक्टसिंधु नदी, जिसे पाकिस्तान की लाइफलाइन कहते हैं, उसका पानी पंजाब के चोलिस्तान रेगिस्तान में ले जाने के लिए पाकिस्तान की केंद्र सरकार और सेना ने 176 किलोमीटर लंबी छह नहरें बनाने की योजना बनाई, लेकिन सिंध के लोग इसे अपने लिए खतरा मानते हैं, क्योंकि सिंध की खेती, वहां के किसान, और लाखों लोगों की रोजी-रोटी इसी सिंधु नदी पर टिकी है, अगर ये पानी पंजाब की ओर डायवर्ट हुआ तो सिंध में सूखा पड़ सकता है, फसलें बर्बाद हो सकती हैं और पूरा इलाका रेगिस्तान बन सकता है, सिंध के लोगों ने सड़कों पर उतरकर इसी प्रोजेक्ट का विरोध किया। सिंध के किसानों को डर है कि उनकी फसलें मर जाएंगी, उनके बच्चे भूखे रह जाएंगे, और ये सिर्फ किसानों की बात नहीं है-राजनीतिक दल, धार्मिक संगठन, वकील, और एक्टिविस्ट, सब इस विरोध में शामिल हैं।हिंसा और राजनीतिक अराजकता चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट के खिलाफ सिंध में महीनों से प्रदर्शन चल रहे थे, पिछले महीने पाकिस्तान की काउंसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट्स ने इस प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया था, लेकिन सिंध के लोग कहते हैं, हमें भरोसा नहीं, हमें लिखित में चाहिए कि ये प्रोजेक्ट पूरीतरह बंद हो,और जब केंद्र सरकार ने उनकी बात नहीं सुनी तो गुस्सा फूट पड़ा, 21 मई 2025 को प्रदर्शनकारियों ने गृह राज्यमंत्री का घर तक फूंक डाला, देखा जाए तो ये जल संग्राम सिर्फ पानी की लड़ाई नहीं है. सिंध में आजादी की आवाजें भी बुलंद हो रही हैं।जय सिंध फ्रीडम मूवमेंट ने 17 मई को बड़े प्रदर्शन किए, जिसमें लोग सिंध की स्वायत्तता और पाक सेना के खिलाफ नारे लगा रहे थे, बलूचिस्तान में पहले से आजादी का आंदोलन चल रहा है और अब सिंध भी उसी रास्ते पर है।सिंध में भी हो रही है आजादी की मांगखबरों के मुताबिक सिंध प्रांत में पानी की किल्लत को लेकर लोग लंबे समय से नाराज हैं, हालांकि इस वक्त सिंध प्रांत में जिस तरह का माहौल है, उसे देखते हुए इस तरह घटना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, यहां पर शांतिपूर्ण आंदोलन और प्रदर्शनों के जरिये ही सही लेकिन लोग पाकिस्तान से अलग होने की मांग कर रहे हैं,जेएसएफ एम यानि जयसिंध फ्रीडम मूवमेंट के लोगों ने हाल ही में पाकिस्तान के मुख्य हाईवे पर इस मांग को लेकर प्रदर्शन भी किया था, जिसमें सैकड़ों कार्यकताओं ने हिस्सा लिया था। साथियों बात अगर हम पाक में जल संकट के दौर में भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित कर दोनों तरफ से मार की करें तो, पाकिस्तान टूडे के मुताबिक सिंध प्रांत पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। 1999 से 2023 के बीच, सिंध को औसतन 40 परसेंट जल की कमी का सामना करना पड़ा था, जबकि पंजाब में यह कमी 15 पेर्सेंट थी।

**किशन सनमुखदास भावनानी**

# नीति आयोग की बैठक और विरोधी दल से सामंजस्य व मोदी मंत्र

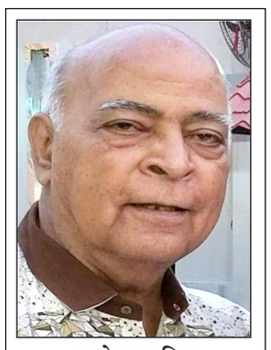



अशोक भाटिया

नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बेहद गंभीर मुद्रा में बात करते नजर आए। वहीं, जब पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पीएम मोदी से मिले, तो दोनों खिलखिलाकर हंस रहे थे। आंध्र प्रदेश के सीएम एन। चंद्रबाबू नायडू के साथ पीएम मोदी चाय पीते नजर आए। ये नजारा शनिवार को हुई नीति आयोग की बैठक का था, जहां ज्यादातार राज्यों के मुख्यमंत्री पहुंचे थे। नीति आयोग की बैठक के दौरान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अन्य मुख्यमंत्रियों के साथ पीएम मोदी खुलकर बातचीत करते नजर आए। इस बैठक में पीएम मोदी, जिस अपनेपन से राज्यों के मुख्यमंत्रियों के से मिले, उससे ऐसा लगा ही नहीं कि इनके बीच कोई राजनीतिक मतभेद है। ये दृश्य देख ऐसा लगा कि ये ही पार्टी के सदस्य हैं। हालांकि, पीएम मोदी व्यक्तित्व ही ऐसा है, वह बड़ी जल्दी लोगों के साथ घुल-मिल जाते हैं। फिर उनकी कार्यशैली के मुरीद तो विपक्षी पार्टियों में भी बहुत हैं। पीएम मोदी ने नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि देश को भविष्य के लिए तैयार शहरों के विकास की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने केंद्र और सभी राज्यों से एक साथ मिलकर विकास की गति बढ़ाने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने कार्यक्रम में कहा, "भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए। हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आते हैं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।" बता दें कि यह बैठक केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 'विकसित भारत : 2047' के विजन को आगे बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श करने और इस बात पर आम सहमति बनाने के लिए एक मंच प्रदान करती है कि कैसे राज्य भारत को एक 'विकसित राष्ट्र' बनाने के लिए आधा-रशिला बन सकते हैं। दरअसल नीति आयोग की अवधारणा मोदी के प्रधान मंत्री बनने के बाद के दिनों में आई। इससे पहले, एक योजना आयोग था और इसे पंडित नेहरू द्वारा स्थापित किया गया था। लेकिन उस योजना आयोग के दौरान, राज्यों के पास कोई अधिकार नहीं था और केंद्र की मां कहने के अलावा कुछ नहीं था। लेकिन मोदी के आने के बाद, राज्यों को अधिक स-रकारी मामलों में अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार मिला और राज्यों को मिला। यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि यह मोदी का एहसान है। तुलना करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन यह एक तथ्य है कि राज्यों को केंद्र से उनके हिस्से के अनुसार केंद्र से कुछ अधिक मिलना शुरू हो गया है, लेकिन फिर भी। कल की बैठक में, मोदी ने समावेशी शासन के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और यह बहुत मायने रखता है क्योंकि पहले कोई समावेशिता नहीं थी।यह बैठक केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 'विकसित भारत : 2047' के विजन को आगे बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श करने और इस बात पर आम सहमति बनाने के लिए एक मंच प्रदान करती है कि कैसे राज्य भारत को एक 'विकसित राष्ट्र' बनाने के लिए आधारशिला बन सकते हैं । मोदी ने कल की बैठक में एक महान विचार रखा था और वह चल रही क्रिकेट टीम की तरह है। मोदी ने कहा कि टीम इंडिया हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए। यानी जैसे टीम इंडिया मिलकर क्रिकेट खेलती है, वैसे ही हमें उससे कुछ सीखना चाहिए। यह विचार कि हम तभी प्रगति करेंगे जब सभी राज्य और केंद्र सरकारें अपने मतभेदों को सुलझाएं और देश के विकास के लिए मिलकर काम करें। इसे संघवाद कहा जाता है। यह विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस को स्वीकार्य नहीं है। कांग्रेस ने हमेशा यह प्रचार फैलाया है कि मोदी ने अपने समय में संघवाद को समाप्त करने का प्रयास किया है। लेकिन मोदी ने समय-समय पर साबित किया है कि यह कितना झूठा और निराधार है और उसी के अनुसार अपना व्यवहार भी रखा है। राज्यों ने देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और सभी ने देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोदी के इस बयान के पीछे एक मजबूत विचार है कि देश तभी विकसित हो सकता है जब राज्य का विकास हो और यह 100 प्रतिशत सच है। क्योंकि ये सच है कि देश तभी प्रगति कर सकता है जब राज्य मिलकर प्रगति करें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हर राज्य को कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए जो विश्व मानक के बराबर हो। इसमें सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचे होंगे। इससे न केवल राज्य का विकास होगा बल्कि देश का विकास भी होगा और देश 2047 की ओर बढ़ेगा। यही प्रधानमंत्री मोदी का आदर्श वाक्य है और यही उनके भाषण का सार था। यदि केंद्र और राज्य इस दिशा में काम करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य प्राप्त करने योग्य नहीं है। इसे कहते हैं एकीकृत संघवाद और यही विचार दीनदयाल उपाध्याय ने अपनी अब तक की चर्चा में सामने रखा था। लेकिन हमने कांग्रेस के नाम पर इसकी अनदेखी की। लेकिन मोदी के तहत हमने इसके महत्व को महसूस किया है और उनके विचारों को फिर से स्पष्ट करना शुरू कर दिया है। जैसा कि मोदी ने कहा, विकसित भारत हर भारतीय का सपना है और यह 140 करोड़ भारतीय लोगों की आकांक्षा है। देश को 2047 से पहले विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने एक यथार्थवादी बिंदु रखा कि सभी को विकसित भारत के निर्माण के सपने का हिस्सा बनना चाहिए। मोदी ने कहा कि देश तभी विकसित हो सकता है जब हर राज्य का विकास हो, हर नगरपालिका का विकास हो और हर ग्राम पंचायत विकसित हो। दीनदयाल उपाध्याय की सोच से क्या अलग था। मोदी को विकसित देश का निर्माण करते समय यह देखना चाहिए कि विकास के अंतिम पायदान पर खड़े हर नागरिक और हर नागरिक को विकास में उचित हिस्सा मिले। क्योंकि यह अमर्त्य सेन का विकास का दृष्टिकोण था। बेशक, प्रधानमंत्री की इस नीति आयोग की बैठक ने दलगत राजनीति, खासकर विपक्ष के विचारों और राजनीति पर भी ग्रहण लगा दिया, क्योंकि कांग्रेस ने बैठक का विरोध किया और राहुल गांधी का काम उनसे अलग है। आप इसकी उम्मीद नहीं कर सकते। लेकिन सभी मुख्यमंत्रियों ने बैठक में भाग नहीं लिया। उनके कारण जो भी हों, प्रधानमंत्री की मौजूदगी में बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं होने के मुख्यमंत्री के साहस की संघीय सरकार को ही सराहना करनी चाहिए, क्योंकि मुख्यमंत्री को इतनी आजादी है। आखिरकार मोदी ने महिलाओं की भागीदारी का एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा बनाया। उनका कहना है कि हमें अपने कार्यबल में महिलाओं को सम्मान के साथ शामिल करना चाहिए। क्योंकि अगर महिलाओं को शामिल नहीं किया जाता है, तो विकास का कोई मतलब नहीं होगा। विकास सबका साथ विकास है। यह मोदी का आदर्श वाक्य है। तदनुसार, मोदी ने उपरोक्त की घोषणा की है। यह प्रधान मंत्री मोदी की उपलब्धि है। यानी भारत एक विकसित भारत बनने के लिए तैयार है और अब यह उसी के अनुसार आगे बढ़ेगा। विपक्षी दल कितनी भी राजनीति क्यों न करें। करें या सहयोग करें। लेकिन मोदी की बयानबाजी जारी रहेगी और भारत विकास की राह पर आगे बढ़ता रहेगा। विपक्ष को अपनी राजनीति का आनंद लेने दीजिए। कांग्रेस के जयराम रमेश ने मोदी के बारे में कहा कि यह एक अनुचित बैठक थी। लेकिन हर कोई जानता है कि रमेश के कांग्रेस शासन के दौरान योजना आयोग की बैठकें कैसे काम करती हैं। इसलिए रमेश कुछ भी कहें, मोदी और भारत का घोड़ा दौड़ता रहेगा।

## कपड़े की फैक्टरी में लगी आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। यहां उद्योग नगर क्षेत्र में रविवार सुबह एक कपड़े की फैक्टरी में आग लगने से हड़कंप मच गया। यह घटना एफ-11, उद्योग नगर, गेट नंबर-2 के पास स्थित एक फैक्टरी में सुबह करीब 5:25 बजे सामने आई। मामले की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फिलहाल कूलिंग का कार्य अभी जारी है। दमकल अधिकारियों के अनुसार घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है और फैक्टरी में मौजूद सामग्री की जांच की जा रही है। स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है।

## क्राइम ब्रांच ने किया वांछित अपराधी गिरफ्तार, प्रीत विहार क्लब फायरिंग मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्राइम ब्रांच की टीम ने प्रीत विहार स्थित पैंथर क्लब के बाहर हुई फायरिंग की घटना में वांछित अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान गोकलपुरी निवासी मोहम्मद जेनुल आबदीन उर्फ साहिल के रूप में हुई है। डिप्टी कमिश्नर विक्रम सिंह के मुताबिक अप्रैल के आखिरी हफ्ते में पैंथर क्लब में दो गुटों में झगड़ा हुआ था। क्लब के बाउंसरों ने दोनों गुटों को क्लब से बाहर निकाल दिया था। इस पर अफाक और उसके गिरोह ने बदला लेने की ठानी और जेनुल ने अफाक को हथियार मुहैया कराया। इसके बाद जेनुल अफाक के साथ स्कूटी पर क्लब पहुंचा और फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि घटना में किसी को गोली नहीं लगी। प्रीत विहार थाने में केस दर्ज कर आरोपियों को पकड़ने के लिए मामला क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया था। 23 मई को एएसआई राजीव कुमार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एसीपी पंकज अरोड़ा के नेतृत्व में और इंस्पेक्टर विनय भारद्वाज की देखरेख में गठित टीम ने किंग्सवे कैंप के विजय नगर चौक के पास बस स्टॉप पर जाल बिछाया। काफी देर इंतजार करने के बाद आरोपी स्कूटी पर विजय नगर की तरफ आता दिखाई दिया, जिसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। उसने वारदात के लिए अपने साथी के साथ स्कूटी का इस्तेमाल किया था, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर अन्य बदमाशों की तलाश कर रही है।

## दिल्ली के खजूरी खास में गुटखा थूकने से जुड़े विवाद में एक व्यक्ति को मारी गोली, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में गुटखा थूकने को लेकर हुए विवाद में गोली लगने से 35 वर्षीय एक व्यक्ति घायल हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पीड़ित की पहचान खजूरी खास निवासी आमिर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि उसे पीठ पर गोली लगी है और अस्पताल में उसका इलाज किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार रात को गुटखा थूकने को लेकर पड़ोसियों के बीच हुए विवाद के बाद हुई। अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पहले से कोई दुश्मनी नहीं थी। उन्होंने कहा कि तीखी नोकझोंक में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर तमंचे से गोली चला दी, जिससे आमिर घायल हो गया। सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया। इस मामले में तीन लोगों की पहचान आरोपी के रूप में की गई है जिनमें अमन (20) और उसका पिता इरफान (40) और रेहान (18) शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने एक आरोपी अमन को गिरफ्तार कर लिया है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी और अपराध में प्रयुक्त तमंचा बरामद करने के प्रयास जारी हैं। अधिकारी ने बताया कि आगे की जांच की जा रही है।

## जेएनयूएसयू के 'जनमत संग्रह' में छात्रों ने पीएचडी के लिए प्रवेश परीक्षा बहाल करने का समर्थन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) द्वारा आयोजित 'जनमत संग्रह' में भाग लेने वाले छात्रों ने पीएचडी के लिए विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा (जेएनयूईई) को फिर से शुरू करने के पक्ष में भारी मतदान किया है। विश्वविद्यालय परिसर के छात्रावास क्षेत्रों में शनिवार शाम पांच बजे से रात 10 बजे तक हुए मतदान में कुल 1,424 वोट डाले गए, जिनमें से 1,323 वोट जेएनयूईई को फिर से शुरू करने के पक्ष में पड़े। कुल 96 छात्रों ने इसके खिलाफ मतदान किया, जबकि पांच मतों को अमान्य घोषित किया गया। वामपंथी 'ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन' (आइसा) ने छात्रों से प्रवेश परीक्षा की बहाली के पक्ष में मतदान करने की अपील की थी। आइसा के पास जेएनयूएसयू का अध्यक्ष पद है। विश्वविद्यालय छात्र संघ ने एक बयान जारी कर 2025 में दाखिले के लिए आंतरिक पीएचडी प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के अपने वादे से कथित रूप से पीछे हटने के लिए जेएनयू की कुलपति की आलोचना की। कुलपति ने यह वादा 16 दिनों की भूख हड़ताल के दौरान किया था। जेएनयूएसयू ने बयान में कहा, 'कुलपति अपने वादे से पीछे हट गईं। जेएनयू की कुलपति ने स्कूलों के डीन और विशेष केंद्रों के अध्यक्षों की राय को जानबूझकर नजरअंदाज किया, जबकि वे जेएनयूईई के पक्ष में थे।'

## कमेंट करने से मना करने पर 11वीं के छात्र को चाकू गोदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तम नगर इलाके में कमेंट करने से मना करने पर युवती और दो युवकों ने मिलकर ग्यारहवीं के छात्र पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। पीड़ित छात्र अपने भाई के साथ पार्क में कुत्ते को घूमाने आया था। घटनास्थल पर मौजूद शख्स ने पुलिस को जानकारी देने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने गंभीर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। उत्तम नगर के ओम विहार कॉलोनी निवासी यश (17) ने पुलिस को दिए बयान में यश ने बताया कि 22 मई की रात करीब पौने ग्यारह बजे वह अपने भाई मयंक के साथ कुत्ते को घर के पास पार्क में घुमाने के लिए आया था। पार्क में दो युवक और एक युवती बैठे हुए थे।

# दिल्ली में आंधी और बारिश ने गर्मी से राहत दी, विमान परिचालन प्रभावित, कई जगह जलभराव

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली में रातभर हुई बारिश और आंधी ने उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत दी, लेकिन परेशानी भी बढ़ाई। विमान परिचालन बाधित हुआ, पेड़ एवं बिजली के खंभे उखड़ गए और कई इलाकों में जलभराव हो गया।

मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण पारे में भारी गिरावट आई और राष्ट्रीय राजधानी का न्यूनतम तापमान 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 6.9 डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली के प्रमुख मौसम केंद्र ने देर रात 11 बजकर 30 मिनट से सुबह पांच बजकर 30 मिनट के बीच छह घंटे में 81.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की और इस दौरान 82 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।

पालम में 68.1 मिलीमीटर, पूसा में 71 मिलीमीटर, मयूर विहार में 48 मिलीमीटर, नरेला में 30 मिलीमीटर और दिल्ली विश्वविद्यालय में 29 मिलीमीटर बारिश हुई। मोती बाग, मिंटो रोड, आईटीओ, धौला कुआं, दिल्ली छावनी, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग और चाणक्यपुरी समेत दिल्ली के कई इलाकों में आंशिक रूप से जलभराव हो गया। दिल्ली छावनी इलाके में एक 'अंडरपास' में एक कार और एक बस लगभग पूरी तरह डूबी देखी गई। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में भी इसी तरह के दृश्य दिखाई दिए जो कथित तौर पर मिंटो रोड इलाके के हैं। मौसम विभाग ने पश्चिम और उत्तर-पश्चिम से आने वाली आंधी के बारे में शनिवार रात चेतावनी देते हुए 'रेड अलर्ट' जारी किया था। इसने तेज आंधी या धूल भरी हवाएं चलने एवं बार-बार मेघ गर्जन और तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया था। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में तेज हवाएं चलीं। पालम में 72 किलोमीटर प्रति घंटे, प्रगति मैदान में 76 किलोमीटर प्रति घंटे, जाफरपुर में 61 किलोमीटर प्रति घंटे और इग्नू में 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। आंधी के साथ हुई भारी बारिश के बाद, दिल्ली का तापमान आधी रात के बाद एक बजकर 15 मिनट से दो बजकर 30 मिनट के बीच तेजी से गिरा।

सफ़दरजंग में तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 21 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जबकि पालम में यह 29 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 22 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। पूसा में तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 20.5 डिग्री सेल्सियस, प्रगति मैदान में 31.4 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 21.3 डिग्री सेल्सियस और लोधी रोड में 31 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 22.3 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। रविवार के लिए मौसम विभाग ने आंधी के साथ बारिश का अनुमान लगाया है, जिससे अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

सूत्रों ने बताया कि खराब मौसम के कारण देश के सबसे बड़े इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर 17 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत 49 विमानों का मार्ग परिवर्तित किया गया। हवाई अड्डे के टर्मिनल-तीन पर भी जलभराव की सूचना है। विमानों के आवागमन पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24डॉटकॉम' के अनुसार, हवाई अड्डे पर करीब 180 उड़ानों के संचालन में देरी हुई और कुछ को रद्द करना पड़ा।

## 'आप' ने जलभराव को लेकर की भाजपा की आलोचना, कहा: 'चार इंजन' वाली सरकार विफल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में जलभराव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की आलोचना की और इसे 'चार इंजन' वाली सरकार की असफलता बताया।

आप ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर राष्ट्रीय राजधानी के कई जलमग्न स्थानों जैसे धौला कुआं, दिल्ली छावनी और आईटीओ की तस्वीरें साझा कीं। इसने कहा, 'दिल्ली का एक भी इलाका ऐसा नहीं है जहां भाजपा की 'चार खटारा इंजन' वाली सरकार की नाकामी की कहानी कहता जलभराव न हुआ हो।' इन आरोपों पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने मिंटो ब्रिज का एक वीडियो साझा किया। उन्होंने सोशल 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'थोड़ी सी बरसात के बाद मिंटो ब्रिज के नीचे डूबी हुई गाड़ी। यह तो साफ है कि 'चार इंजन' की सरकार फेल हो गई है।'

दिल्ली में रातभर भारी बारिश के साथ तूफान आया, जिससे विमान परिचालन बाधित हुआ, पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए तथा कई इलाके जलमग्न हो गए।

## 'राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025' में 4.3 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के तेज विकास के लिए 23-24 मई को आयोजित की गई 'राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025' में 4.3 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं और 8 समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुए हैं। यह जानकारी सरकार की ओर से रविवार को दी गई।

उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया ने कहा कि उत्तर पूर्व वैश्विक साझेदारी और आपसी हित के केंद्र के रूप में उभरा है

केंद्रीय संचार मंत्री और उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया ने कहा कि उत्तर पूर्व वैश्विक साझेदारी और आपसी हित के केंद्र के रूप में उभरा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 में अभूतपूर्व 4.3 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ। इससे उत्तर पूर्व क्षेत्र (एनईआर) के भारत का अगला आर्थिक महाशक्ति बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उत्तर पूर्व क्षेत्र की अपार संभावनाओं को न केवल पहचानने बल्कि उसे अपनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा की सिंधिया ने कहा, 'हमने 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत किया, जिसमें जापान से लेकर यूरोप और आसियान देश भी शामिल थे और सभी में एक सर्वसम्मत भावना थी कि भारत का भविष्य उत्तर पूर्व में है।÷ ज्योतिरादित्य एम सिंधिया ने उत्तर पूर्व क्षेत्र की अपार संभावनाओं को न केवल पहचानने बल्कि उसे अपनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता और इस क्षेत्र के प्रति उनके गहरे, हार्दिक जुड़ाव के बिना यह सब संभव नहीं हो पाता उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता और इस क्षेत्र के प्रति उनके गहरे, हार्दिक जुड़ाव के बिना यह सब संभव नहीं हो पाता। आजादी के छह दशकों के बाद भी, लगातार सरकारें यहां की अपार संभावनाओं को पहचानने में विफल रहीं, एक ऐसी भूमि जिसने कभी भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान दिया था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल इस क्षमता को समझा, बल्कि इसे अपनाया।'

समिट में देश के कई बड़े उद्योगपतियों ने भाग लिया और बड़े निवेश का ऐलान किया इस समिट में देश के कई बड़े उद्योगपति ने भाग लिया और बड़े निवेश का ऐलान किया। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने अगले एक दशक में अतिरिक्त 50,000 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की। अदाणी इससे पहले फरवरी में असम में 50,000 करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में उत्तर पूर्व के शिक्षा क्षेत्र में 21,000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। इस समिट का उद्घाटन शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किया गया था।

# हम जाति-आधारित राजनीति के खिलाफ दृढ़ता से खड़े हैं: जेपी नड्डा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रविवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा भी शामिल थे। बैठक के बाद जेपी नड्डा ने बताया कि बैठक में जाति जनगणना को लेकर प्रस्ताव पेश किया गया। जेपी नड्डा ने कहा, जातिगत जनगणना के प्रस्ताव से हमने स्पष्ट किया है कि हम जातिगत राजनीति नहीं करते हैं, लेकिन वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित जो छूट गए हैं, उनका मुख्य धारा में समावेश समाज की आवश्यकता है। जातिगत जनगणना के माध्यम से हम इसे आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने इस ऑपरेशन को जहां सेना का शौर्य बताया, वहीं इस बात पर भी बल दिया कि भारत को हमें तीव्र गति से विकसित और सामर्थ्यवान बनाना है, इसके साथ-साथ हमें आत्मनिर्भर भी बनना है, इन बातों पर ध्यान देने की जरूरत है।

नक्सलवाद के खिलाफ हालिया कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि बैठक में नक्सलवाद के खिलाफ पूरे देश में जारी मुहिम पर भी चर्चा हुई। उस चर्चा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि नक्सलवाद के खिलाफ हम कैसे लड़ाई लड़ रहे हैं, हमें कैसे सफलता मिल रही है।

जेपी नड्डा ने बताया, हर घर सूर्य योजना के बारे में बैठक में विस्तार से चर्चा हुई। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस पर अपनी बात रखी। इस योजना को लेकर बहुत अच्छा काम किया गया है। इस योजना के माध्यम से न ही सिर्फ लोगों को बिजली मिल रही है, बल्कि वे बिजली बेच भी रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर और सक्षम भारत के निर्माण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, रविवार को नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में भाग लिया। एकजुट शक्ति के रूप में, हमने 'विकसित भारत बनाने के अपने सामूहिक संकल्प की पुष्टि की।

## देश के हर नागरिक को सुननी चाहिए 'मन की बात' : मनोज तिवारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 122वें एपिसोड पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि देश के हर नागरिक को 'मन की बात' सुनना चाहिए क्योंकि इसके जरिए पीएम देशवासियों को भारत की बहुत यूनिक और सटीक जानकारी देते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी देश के हर कोने में छुपी प्रतिभाओं को मन की बात के जरिए आम नागरिकों तक पहुंचाते हैं। देश के कोने-कोने की बड़ी दिलचस्प जानकारी पीएम मोदी शेयर करते हैं। भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि देश को इसका इंतजार था और यह बहुत ही हर्ष का विषय है। जब 2024 के चुनाव चल रहे थे। उसमें भी और सदन में भी प्रधानमंत्री ने यह विश्वास दिलाया था कि भारत बहुत जल्दी दुनिया की तीसरी इकोनॉमी बन जाएगा। जब मोदी प्रधानमंत्री बने थे तब हम 11वें स्थाकन पर थे, वहां से एक लंबी छलांग लगाते हुए हम पांचवें स्थान पर पहुंचे थे। अब हमें तीसरी इकोनॉमी बनने का इंतजार है। उल्लेखनीय है कि भारत आधिकारिक तौर पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। 2028 तक जर्मनी को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंचने की संभावना है। नीति आयोग ने 24 मई को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी थी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से रविवार को रेडियो पर 'मन की बात' कार्यक्रम के 122वें एपिसोड पर उत्तर प्रदेश में नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम लगातार नई और अनूठी जानकारी प्रदान करता है। यह देश के विकास में कई ऐसे व्यक्तियों के योगदान और संघर्ष पर प्रकाश डालता है जिनके नाम अक्सर जनता के लिए अज्ञात रहते हैं। पीएम मोदी ने 'मन की बात' के 122वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मुद्दों पर बात की। जिसमें ऑपरेशन सिंदूर, खेलो इंडिया गेम्स, माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास की धारा, व्यक्ति विशेष प्रतिभा, वोकल फॉर लोकल आदि का जिक्र किया।

## शाहदरा में ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन में लगी आग, दो लोगों की मौत, चार अन्य झुलसे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली में शाहदरा के रामनगर इलाके में रविवार सुबह ई-रिक्शा चार्जिंग एवं पार्किंग स्टेशन पर आग लगने से दो लड़कों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य झुलस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले के मूल निवासी 19 वर्षीय ब्रिजेश और 18 वर्षीय मणिराम की आग लगने की इस घटना में मौत हो गई। जब आग लगी तब दोनों सो रहे थे जिसके कारण वे अंदर ही फंसे रह गए।

पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने एक बयान में कहा कि आग पर काबू पाने के बाद उनके जले हुए शव मलबे से बरामद किए गए। एक बयान में कहा गया है कि आग सुबह करीब छह बजकर 40 मिनट पर टिन शेड के एक ढांचे में लगी, जिसका इस्तेमाल गोदाम, ई-रिक्शा की पार्किंग व चार्जिंग स्टेशन, और गत्ते के रस की मशीनों के भंडारण के लिए होता था। शाहदरा राम नगर क्षेत्र में मोती राम रोड पर स्थित यह टिन शेड लगभग 300 से 400 वर्ग गज में फैला हुआ था। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने बताया कि उसे सुबह छह बजकर 40 मिनट पर आग लगने के बारे में सूचना मिली थी जिसके बाद तुरंत दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया।

डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा, ''सुबह साढ़े आठ बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। अभियान के दौरान मलबे से दो जले हुए शव बरामद किए गए।' डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा, 'जब हमारी टीम पहुंची तो आग काफी भयावह हो चुकी थी और शेड का अधिकांश हिस्सा जल चुका था। हमने सुबह साढ़े आठ बजे तक आग पर काबू पा लिया। अभियान के दौरान, हमने घटनास्थल से जले हुए दो शव बरामद किए।'

### आग लगने की वजह चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट

इस घटना में झुलसे चार लोगों को बचा लिया गया जिन्हें निकटवर्ती जी.टी.बी. अस्पताल ले जाया गया। आग में झुलसे लोगों की पहचान मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ के भवाई निवासी 19 वर्षीय हरिशंकर तथा उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले के महराजगंज के निवासी 18 वर्षीय रिंकू, 22 वर्षीय मुकेश और 19 वर्षीय विपिन के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि सभी छह लोग ई-रिक्शा पर गत्ते का रस बेचते थे और शेड में रहते थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार आग लगने की वजह चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट का होना हो सकता है।

अधिकारियों ने बताया कि परिसर में अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं, इसकी विस्तृत जांच की जाएगी। पुलिस ने विनोद राठौर नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया है, जो किराए पर लिए गए उक्त परिसर का संचालन कर रहा था।' पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 'कानूनी कार्रवाई की जा रही है। राठौर को हिरासत में लिया गया है और उससे सुरक्षा मानकों तथा आग लगने के समय शेड में श्रमिकों की मौजूदगी के बारे में पूछताछ की जा रही है।' पुलिस सूत्रों के अनुसार शेड में बुनियादी अग्नि सुरक्षा उपकरण भी नहीं थे।

## पत्नी से दूर रहने को कहा तो शख्स ने किया खौफनाक काम, एक की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। साथी कर्मचारी की पत्नी से बढ़ती नजदीकियों का विरोध करने पर आरोपी ने दंपती पर हथौड़े से हमला कर दिया, जिसमें पुरुष की मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल है। किशनगढ़ थाना पुलिस और स्पेशल स्टाफ ने आरोपी को उत्तर प्रदेश के रायबरेली से गिरफ्तार कर वारदात में इस्तेमाल हथौड़ा भी बरामद कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) ऐश्वर्या सिंह ने बताया कि 21 मई की रात को किशनगढ़ थाना पुलिस को सूचना मिली कि कटवारिया सराय स्थित एक मकान की पहली मंजिल पर एक व्यक्ति का शव पड़ा है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची तो एक व्यक्ति का शव खून से लथपथ फर्श पर पड़ा मिला, जबकि उसके साथ एक महिला बेहोशी की हालत में पड़ी थी। महिला के शरीर पर चोटों के निशान भी थे। महिला को गंभीर हालत में एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। दोनों की पहचान मूल रूप से झांसी निवासी 45 वर्षीय अशोक कुमार और उनकी पत्नी एम. देवी के रूप में हुई। दोनों आईआईटी दिल्ली में दिहाड़ी मजदूर के तौर पर काम करते थे। मृतक अशोक की बेटी काजल के बयान पर पुलिस ने हत्या और हत्या के प्रयास की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और मृतक अशोक और उसकी पत्नी के मोबाइल फोन की जांच की। अशोक की बेटी ने आरोपी अखिलेश निवासी मझिगवां करन, चौहानिया, रायबरेली, उत्तर प्रदेश के बारे में जानकारी दी, जिस पर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी उत्तर प्रदेश के महाराजगंज में है। जब पुलिस वहां पहुंची तो वह वहां से रायबरेली पहुंच चुका था। पुलिस ने आरोपी अखिलेश का 700 किलोमीटर तक पीछा किया और उसे रायबरेली से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी अखिलेश को दिल्ली ले आई और उससे पूछताछ शुरू कर दी।

# मन की बात कार्यक्रम, जन-जन की आवाज बना : वीरेंद्र सचदेवा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो पर 'मन की बात' कार्यक्रम के 122वें एपिसोड के माध्यम से देशवासियों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने इस दौरान कई स्वदेशी (स्थानीय उत्पादों) के बारे में चर्चा की। 'मन की बात' के 122वें एपिसोड पर दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम 'मन की बात' वास्तव में जन की आवाज बन गया है। यह हर बार व्यापक जानकारी और नई सीख प्रदान करता है। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी (स्थानीय उत्पादों) को बढ़ावा देने के बारे में जानकारी दी तो वहीं, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में बात की। उन्होंने बिहार में 'खेलो इंडिया' इवेंट पर प्रकाश डाला, जिसमें 5,000 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया, और मधुमक्खी पालन के बारे में भी बात की। इस कार्यक्रम के लिए मैं प्रधानमंत्री का बहुत बड़ा शुक्रगुजार हूं। 'मन की बात' के माध्यम से समग्र जनता को ज्ञान का भंडार मिलता है। 'मन की बात' के 122वें एपिसोड पर बिहार सरकार में मंत्री जीवेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में सेना की बहादुरी और भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए देशभर में निकाली गई तिरंगा यात्रा के बारे में बात की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे पूरा देश देशभक्ति में एकजुट हो गया, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद। प्रधानमंत्री ने विभिन्न स्थानीय शिल्प और लघु-स्तरीय उत्पादनों पर भी चर्चा की। साथ ही साथ देश के विभिन्न हिस्सों में क्राफ्ट, उत्पाद के बारे में चर्चा की। बता दें कि पीएम मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में मधुमक्खियों के संरक्षण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मैं एक पहल साझा करना चाहता हूं जो हमें याद दिलाती है कि मधुमक्खियों का संरक्षण न केवल एक पर्यावरणीय जिम्मेदारी है, बल्कि हमारी कृषि और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह उदाहरण पुणे शहर से आता है, जहां एक हाउसिंग सोसायटी ने एक बार मधुमक्खियों की कॉलोनी को हटाने का फैसला किया था, शायद डर या सुरक्षा की चिंता के कारण। हालांकि, निवासियों ने मधुमक्खियों के बारे में जानने की पहल की और दूसरों को भी इसमें शामिल करना शुरू कर दिया। अमित नाम के एक युवा ने तय किया कि मधुमक्खियों को हटाना नहीं, उन्हें बचाना चाहिए। धीरे-धीरे उन्होंने एक टीम बनाई, जिसे उन्होंने नाम दिया 'बी-मित्र', जो मधुमक्खियों के छत्तों को एक जगह से दूसरी जगह सुरक्षित तरीके से ट्रांसफर करते हैं, ताकि लोगों को खतरा न हो और मधुमक्खियां भी जिंदा रहें।

# मंत्री स्वतंत्र देव ने 1 घंटे की मंदाकिनी की सफाई

## अखिलेश यादव का तंज- जनता इनको साफ करेगी, नदी में गिरने से राज्यमंत्री का हाथ टूटा

**चित्रकूट।** जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने रविवार को 1 घंटे तक मंदाकिनी नदी की सफाई की। उनके साथ जलशक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद समेत स्थानीय भाजपा नेता भी सफाई करने उतरे। सभी ने हाथ से नदी के अंदर से गंदगी निकाली, जलकुंभी के पौधे हटाए। फिर गंदगी को डलिया में भरकर ट्रक में डाला। इन लोगों ने मिलकर मंदाकिनी नदी से करीब 3 ट्रक गंदगी निकाली। इस पूरे वाकए का वीडियो सामने आते ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- भाजपा की सफाई भी जुमलाई!

अब भाजपा को जनता साफ करेगी। बता दें, इस सफाई अभियान के दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद नीचे गिर गए। इससे उनके हाथ में फ्रैक्चर हो गया।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह रविवार को पंडित दीनदयाल शोध संस्थान के 'मां मंदाकिनी स्वच्छता' कार्यक्रम में शामिल होने चित्रकूट पहुंचे थे।

इस दौरान ही वह खुद सफाई करने नदी में उतर गए। उनको देखकर साथ के अन्य लोग भी सफाई करने नदी में उतर गए। मंदाकिनी नदी का सफाई अभियान अभी कल भी चलेगा। इसमें मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसीराम समेत अन्य भाजपा कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। यह सफाई अभियान सती अनुसुइया से राजापुर तक चलेगा। यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा के बीच आता है।चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के सफाई अभियान में स्वतंत्र देव के साथ जलशक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद भी उतरे। वह सफाई अभियान में जुटे थे। तभी रामकेश निषाद असंतुलित होकर फिसल गए और नदी में गिर पड़े। इससे उनके हाथ में फ्रैक्चर हो गया। हादसे के बाद उन्हें तुरंत मेडिकल टीम की सहायता से इलाज के लिए ले जाया गया। उनके दाएं हाथ पर प्लास्टर चढ़ाया गया है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा- नदियों की स्वच्छता के लिए सरकार के साथ जन आंदोलन जरूरी है। चित्रकूट धाम मंडल में जल जीवन मिशन के तहत ह्लहर घर नल योजनाह्व का 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। बुंदेलखंड में अब उद्योग स्थापित हो रहे हैं। लोगों को रोजगार मिल रहा है। ऑपरेशन सिंदूर पर उन्होंने कहा कि जो भी भारत को डिस्टर्ब करेगा, उसे अंदर घुसकर मारेंगे। सपा, बसपा और कांग्रेस हमेशा से ही बीजेपी का विरोध करती आई हैं। जनसंघ की स्थापना से ही कांग्रेस कम्युनिस्टों के साथ मिलकर राष्ट्रवाद पर हमला करती रही है। चाहे वो अनुच्छेद 370 की बात हो, राम मंदिर की, वंदे मातरम् की या भारत माता की जय के उद्घोष की, कांग्रेस ने हमेशा राष्ट्रभक्तों को सांप्रदायिक बताया। मंत्री ने कहा- क्या वंदे मातरम् कहना, अपने आपको हिंदू कहना या राम मंदिर की बात करना सांप्रदायिक है? यही लोग अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान नेता को भी सांप्रदायिक बताने से नहीं चूके। लेकिन, हम अपने पथ पर अटल हैं। हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को लेकर चल रहे हैं। एक हाथ में विकासवाद, तो दूसरे में राष्ट्रवाद।

## युवाओं का भविष्य कांग्रेस में है सुरक्षित

**संवाददाता**

**देवरिया।** शहर कांग्रेस की संगठन सृजन बैठक वार्ड नंबर 2 पिपरपाती में शहर अध्यक्ष मिर्जा खुर्सेद की अध्यक्षता संपन्न हुआ। बैठक को संबोधित करते देवरिया के प्रभारी अंशुमान मणि त्रिपाठी ने कहा कि देवरिया शहर के सभी वार्डो में कांग्रेस के संगठन को मजबूत कर सभी वर्गों को कांग्रेस से जोड़ना होगा। तभी कांग्रेस मजबूत होगी। श्री मणि ने कहा कि देश के युवाओं का भविष्य कांग्रेस में ही सुरक्षित हैं। शहर अध्यक्ष मिर्जा खुर्सेद ने कहा कि हम सभी कांग्रेस को मजबूत करने के लिए संकल्पित है। जब कांग्रेस मजबूत होगी तभी देश का भविष्य सुरक्षित होगा। पी सी सी सदस्य नागेंद्र शुक्ल ने कहा कि आने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए सभी को अभी से मजबूती से लगना होगा। भाजपा सरकार के कारनामों से जनता त्रस्त है, कहने के लिए ट्रिपल इंजन की सरकार है लेकिन विकास सिर्फ कागजों में हो रहा है। धरातल पर विकास शून्य है। बैठक में विजय शंकर मिश्र, धनमेंद्र पांडेय, मनोज मणि, सहित अधिक संख्या में लोग उपस्थित रहे।

## युवक पत्नी की हत्या करने के बाद ट्रेन के आगे कूदकर दे दी जान

**संवाददाता**

**सलेमपुर देवरिया।** एक युवक ने बीवी की हत्या करने के बाद ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी।घटना सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के माथापार का है। दंपति की मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस महकमे में खलबली मच गई। मौके पर पहुंचे सीओ समेत अन्य अधिकारी जांच पड़ताल में जुट गए। जानकारी के अनुसार सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के माथापार जितेंद्र कुशवाहा अपनी पत्नी बेबी के साथ सूरत में रहता था। 11 मई को ही अपने गांव आया था। उसने रविवार की सुबह सलेमपुर-बरहज रेल खंड पर बुद्धिराम गढ़वा के समीप बरहजिया ट्रेन के सामने कूद कर जान दे दी। जितेंद्र की मौत की सूचना गांव पहुंची तो गांव के लोग उसके घर पहुंचे, जहां पत्नी बेबी मृत अवस्था में बेड पर पड़ी थी। सूचना पर सीओ दीपक शुक्ल, कोतवाल संतोष कुमार भी मौके पर पहुंच गए। बेबी के कपड़े से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया। सुसाइड नोट चार लाइन का है। जिसमें लिखा है कि अपने पत्नी का मर्डर मैंने किया है। इसमें किसी का हाथ नहीं है। केवल मैने किया है। यह बदचलन हो गई थी। भाग कर पूरे घर वालों को फंसाना चाहती थी। वहीं, इस मामले में सीओ सलेमपुर दीपक शुक्ल ने बताया कि मौके पर पहुंच कर जांच की गई है। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

## एक शिक्षक समेत चार शिक्षणेत्तरकर्मियों की संविदा समाप्त, कई को चेतावनी

**संवाददाता**

**देवरिया।** जिले के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में कार्यरत शिक्षक और शिक्षणेत्तरकर्मियों का नए शैक्षणिक सत्र के लिए नवीनीकरण आदेश जारी कर दिया गया है। इसमें एक शिक्षक समेत चार शिक्षणेत्तरकर्मियों की संविदा समाप्त कर दी गई है। वहीं गौरीबाजार के वार्डेन समेत आधा दर्जन शिक्षकों को चेतावनी देते हुए उनका नवीनीकरण किया गया है। जिले के तेरह ब्लॉकों में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय(केजीबीवी) संचालित हैं। इनमें कार्यरत वार्डेन, पूर्ण कालिक शिक्षक, अंशकालिक शिक्षक और अन्य शिक्षणेतरकर्मियों का हर वर्ष उनके कार्य के आधार पर नवीनीकरण किया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के लिए जिलाधिकारी की संस्तुति पर जिला बेसिक शिक्षाधिकारी शालिनी श्रीवास्तव ने कुल 170 स्टॉफ का नवीनीकरण आदेश जारी किया है

## 39972 लोगों ने सुनी पीएम मोदी के मन की बात

**संवाददाता**

**कुशीनगर।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए देश की जनता से संवाद किया।जिसे भाजपा द्वारा जनपद के सभी बूथों पर प्रसारित किया गया। मन की बात कार्यक्रम के 122 वें संस्करण में प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सैनिकों द्वारा दिखाए गए पराक्रम की सराहना की। जिसने हर भारतीय को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कई दिलचस्प विषयों पर जानकारी साझा की, जिसमें महाराष्ट्र का एक गाँव, जहाँ पहली बार बस पहुँची है, शेरों की बढ़ती आबादी, सिक्किम की पारंपरिक बुनाई और ड्रोन दीदी

शामिल हैं। पीएम ने शहद उत्पादन और मधुमक्खियों को बचाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, कुशीनगर विधायक विधायक पीएन पाठक व अन्य पदाधिकारीयों के साथ कुशीनगर विधानसभा में कुशीनगर मण्डल के पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर शक्ति केंद्र के बूथ संख्या 276 पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जन सरोकार की बात करते हैं। मन की बात कार्यक्रम से जन मन का जुड़ाव अब जन भागीदारी का स्वरूप धारण कर लिया है। इस अवसर पर ओम प्रकाश जायसवाल, सुरेन्द्र सिंह, वरुण राय सहित पदाधिकारी उपस्थित थे। जिला संयोजक व जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम में सांसद, विधायक, नगर पालिका नगर व पंचायत अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख, जिला, मोर्चा, विभाग तथा प्रकोष्ठों के मण्डल, शक्ति केंद्र और बूथ के वर्तमान व पूर्व पदाधिकारी वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता सहित 39972 लोगों ने प्रधानमंत्री के मन की बात सुना।

## मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का सीएमओ ने किया निरीक्षण

**संवाददाता**

**कुशीनगर।** शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक रविवार को जनपद के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन कर ग्रामीण क्षेत्र के जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिया जाता है। जिसका जनपद के मुख्यचिकित्साधिकारी डॉ अनुपम प्रकाश भास्कर द्वारा औचक निरीक्षण किया। सर्वप्रथम उनके द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिधुवा बांगर का निरीक्षण किया गया वहाँ पहुँचकर उन्होंने जब उपस्थिति पंजिका देखा तो चिकित्सक डॉ अभिनव चतुर्वेदी चार दिन से बिना हस्ताक्षर बनाये अनुपस्थिति पाये गये और एक एमपीडब्ल्यू कर्मचारी उदयभान सिंह भी अनुपस्थिति मिले। तो वही आयुष चिकित्सक डॉ श्याम बिहारी मरीजों का उपचार

करते पाये गये उनके द्वारा 18 मरीजों को उपचार किया जा चुका था। उनके अलावा एलटी दिग्विजय तिवारी एवं स्वीपर कम चौकीदार मदन यादव अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुये मिले। सीएमओ द्वारा मेला का आशाओं के माध्यम से प्रचार प्रसार कराकर अधिक से अधिक ग्रामीण क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिये कहा गया। ततपश्चात सीएमओ द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेखवनिया का औचक निरीक्षण किया गया वहाँ भी चिकित्सक डॉ उमेश मौर्या पाँच दिन से अनुपस्थित पाये गये एवं फार्मासिस्ट मंतोष कुमार पांडेय भी अनुपस्थिति मिले। तो वही आयुष चिकित्सक डॉ नाजिया द्वारा मरीजों का उपचार करते मिली उनके द्वारा 13 मरीजों को उपचारित किया गया था। एलटी उमेश प्रसाद, एनएमए कमलेश्वर यादव, वार्ड ब्वाय श्रवण यादव,स्वीपर कम चौकीदार राजकुमार जयसवाल उपस्थित होकर अपने कार्यों को करते हुये मिले। वहाँ उपस्थित कर्मचारियों से सीएमओ ने कहा कि आशाओं के माध्यम से मेले का प्रचार प्रसार कराकर और अधिक ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को लाभान्वित करे। सीएमओ डॉ ए पी भास्कर ने कहा कि रविवार को लगने वाले मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का मेरे द्वारा औचक निरीक्षण किया गया जिसमें ड्यूटी से नदारत मिले दो चिकित्सक एवं दो कर्मचारियों का वेतन बाधित करते हुये कारण बताओ नोटिश जारी किया गया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनपद के सभी चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी अपनी ड्यूटी पर समय से उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करे।अनुपस्थिति की दशा में उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

## ग्रामीण अंचल में प्रतिभाओं को निखार रहा समर कैंपः क्षेत्राधिकारी

**संवाददाता**

**भाटपार रानी, देवरिया।** पी.डी.आर.डी. इंटर कॉलेज, रतसिया कोठी एवं आर.एस. इंटरनेशनल स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे समर कैंप, मार्शल आर्ट्स एवं सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पांचवे दिन विशेष आयोजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी भाटपार रानी श्री शिव प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि का जोरदार स्वागत विद्यालय के प्रबंधक श्री चन्द्र प्रताप सिंह एवं प्रधानाचार्या श्रीमती शिवानी सिंह द्वारा पुष्पमाला एवं अंगवस्त्र प्रदान कर किया गया। बच्चों ने भी

करतल ध्वनि से क्षेत्राधिकारी महोदय का गर्मजोशी से स्वागत किया।प्रबंधक श्री चन्द्र प्रताप सिंह ने स्वागत भाषण में समर कैंप के उद्देश्यों, विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण, आत्मरक्षा प्रशिक्षण एवं ग्रामीण प्रतिभाओं के उत्थान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायक होते हैं।मुख्य अतिथि श्री शिव प्रताप सिंह ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा, ह्लग्रामीण अंचल में इस तरह के आयोजनों की अत्यंत आवश्यकता है। मार्शल आर्ट्स और सेल्फ डिफेंस जैसे प्रशिक्षण न केवल बच्चों में आत्मविश्वास जगाते हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाते हैं। साथ ही विद्यालय परिवार द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर की जा रही पहल अत्यंत सराहनीय है।कार्यक्रम में विद्यालय के उपप्रधानाचार्य श्री मिंटू यादव, अमितेश सिंह, अंकुश सिंह, चंदन चौधरी, दीपक सिंह, मिथलेश यादव, अभिषेक सिंह, पूजा सिंह, कृति सिंह, चंदा तिवारी, बबली, काजल, नेहा शर्मा, प्रेषिता सिंह, प्रगति सिंह, लालबहादुर सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।विद्यालय परिवार द्वारा आयोजित यह समर कैंप न केवल शिक्षा के पारंपरिक दायरे से आगे बढ़कर विद्यार्थियों को व्यवहारिक जीवन कौशल सिखाने का प्रयास है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव की मिसाल भी बनता जा रहा है।

# देशभक्ति की मिसाल हैं शहीद मेजर अमियः पूर्व सांसद राजेश पांडेय

**संवाददाता**

**कुशीनगर।** फाजिलनगर के भेलया चंद्रौटा गांव में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पूर्व सांसद राजेश ऊर्फ गुड्डू पांडेय ने कहा कि शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी ने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। ऐसे सच्चे देशभक्त को यह देश कभी भूल नहीं सकता। उन्हीं के बलिदान के कारण ही आज हम अपने घरों में सुरक्षित हैं। अवकाश प्राप्त न्यायाधीश यूबी मिश्र ने श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मेजर अमिय का सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के शूरवीरों के कारण देश का मान और गौरव सुरक्षित है। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी ने कहा कि शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी की शौर्य गाथा हर युवा को देशभक्ति का मार्ग दिखाती है। उनके साहस और वीरता की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला ने कहा कि मेजर अमिय त्रिपाठी अंतिम सांस तक दुश्मनों से लड़ते रहे और दुश्मनों को ढेर कर दिए। उनका साहसिक कार्य हर

नागरिक के लिए गर्व की बात है। रुचिर पांडेय, एसबीएम पीजी कॉलेज के प्रबंधक शक्ति प्रकाश दीक्षित, टीएन राय, डॉ. संजय मणि त्रिपाठी, डॉ. केपी सिंह, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष विनीत कुमार बंटी, प्रफुल्ल राय ने भी संबोधित किया और मेजर अमिय की वीरता को सलाम किया। संगीतकार यती जी ने भजन गाकर सबको भावविभोर कर दिया। संतोष गुप्ता संगम, मैतुल मस्ताना ने शहीद मेजर अमिय को समर्पित रचनाएं सुनाई। लोगों ने शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन किया। अंत में रिटायर्ड आरटीओ और शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी के अग्रज अजय त्रिपाठी ने सभी आगंतुकों और वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान शहीद के बड़े भाई अधिवक्ता अभय त्रिपाठी, ई.चंद्रशेखर मिश्र,ई.अशोक कुमार पाण्डेय, डॉ. रामानुज पांडेय, गोपाल पांडेय,खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां के मंत्री पंकज पांडेय, शिवशंकर तिवारी,गुरुदत्त उपाध्याय, आनंद मणि, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र मणि, संतोष मणि, राजेश राय, काशीनाथ तिवारी, राजवंशी तिवारी, बुन्ना तिवारी, सत्यम त्रिपाठी, प्रियेश पाठक, चन्दन दूबे, सतेंद्र सिंह, प्रदीप सिंह, आजाद अंसारी, सुबोध त्रिपाठी, अरविंद शाही, एमडीआई खान, शमशुल हक, मोनू इराकी, मनोज तिवारी, अजय उपाध्याय, राधेश्याम सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

## संक्षिप्त डायरी

### विधायक पीएन पाठक ने किया ड्रेन सफाई कार्य का शुभारंभ

**संवाददाता**

**कसया, कुशीनगर।** विधायक कुशीनगर पीएन पाठक ने कसया तहसील क्षेत्र के गांव अन्ध्या में हतवा से गोपालगढ़ तक 10 किलोमीटर ड्रेन सफाई कार्य का शुभारंभ विधिवत पूजन अर्चना कर किया। इस अवसर पर विधायक श्री पाठक ने बाढ़ खंड विभाग के अधिकारियों को मानक के अनुरुप सफाई कार्य कराये जाने के भी निर्देश दिए। विधायक श्री पाठक ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में सिंचाई विभाग द्वारा कराए जाने वाले सफाई कार्य में मात्र औपचारिकता निभाई जाती थी। सफाई कार्य को लेकर आए दिन धन का बंदर बांट किये जाने का मामला सामने आता था। जिसको देखते हुए शासन ने ड्रेनों का सफाई कार्य जनप्रतिनिधियों की निगरानी में कराये जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बाढ़ खंड अधिशासी अधिकारी महेश कुमार को सतर्क किया कि सफाई कार्य में किसी प्रकार से लापरवाही न बरती जाए। हर हाल में मानक के अनुरूप सफाई कार्य कराया जाए। जिससे किसानों को बरसात में जल निकासी की समस्या न उत्पन्न होने पाए। इस दौरान स्थानीय लोगों ने ड्रेन की क्षतिग्रस्त पुलिया व चार किलोमीटर सड़क बनवाने का आग्रह किया तो विधायक श्री पाठक ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को तत्काल कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष आद्या पांडेय, नंदू वर्मा, वीरेंद्र मिश्र, सभासद प्रतिनिधि धर्मेंद्र यादव, सूर्यनाथ यादव,सर्वेश गुप्ता, हरि प्रसाद, रुद्रप्रकाश सिंह, अमित मालवीय, राज पाठक, जितेंद्र गुप्ता, संजीव सिंह सिब्लू, संजीव दुबे, दरोगा गोंड उपस्थित रहे।

### आप्टोमेट्रिस्ट संघ की जिला कार्यकारिणी का गठन, विजयपाल सिंह बने अध्यक्ष

**संवाददाता**

**कुशीनगर।** रविवार को राजकीय आप्टोमेट्रिस्ट संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक में नई टीम का गठन किया गया। बैठक में तमकुही सीएचसी के विजयपाल सिंह को सर्वसम्मति से संघ का जिला अध्यक्ष चुना गया। वहीं, पडरौना नेत्र चिकित्सालय के विद्यानंद सिंह को सचिव और सतीश कुमार कुशवाहा को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। नवगठित कार्यकारिणी की घोषणा होते ही स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई और सभी ने नवचयनित पदाधिकारियों को बधाई दी। यह बैठक संघ के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की गई थी। जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश पाटिल और महासचिव रविंद्र यादव ने की। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी के गठन का प्रस्ताव पारित किया गया। इस मौके पर संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती और एकता पर बल देते हुए कहा कि संगठित समाज ही अपने सभी लक्ष्यों को प्राप्त करता है। संघ का उद्देश्य अपने सदस्यों के हितों की रक्षा करना और उनके साथ मिलकर समस्याओं का समाधान करना है। इस निर्वाचन पर डॉ. आफताब आलम, विवेक तिवारी, आनंदपाल सिंह, डॉ. पंकज खरवार, राकेश कुमार, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ. वेदमणि त्रिपाठी, अजय राय, डॉ. पुनीत कुमार, डॉ. राज कुमार सिंह सहित अन्य कई सदस्य उपस्थित रहे।

### भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की उठी मांग

**संवाददाता**

**देवरिया।** विश्व भोजपुरी सम्मेलन (उत्तर प्रदेश) के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धार्थ मणि त्रिपाठी ने आयोजित एक प्रेस वार्ता में भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की जोरदार मांग की। उन्होंने कहा कि 20 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली भोजपुरी भाषा को अब तक संवैधानिक मान्यता नहीं मिलना राजनीति में व्याप्त भेदभाव का परिणाम है।सिद्धार्थ मणि त्रिपाठी ने कहा, ₹भोजपुरी भाषा विश्व के सांस्कृतिक ताने-बाने की एक मजबूत कड़ी बन चुकी है। गिरमिटिया मजदूरों के रूप में विदेशों में गए लोगों ने अपनी मातृभाषा को जीवित रखा है और आज भी दर्जनों देशों में भोजपुरी संस्कृति पर्वों के रूप में मनाई जाती है। बावजूद इसके, यह भाषा सरकारी स्तर पर उपेक्षित रही है।₹उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की कि विधानसभा में भोजपुरी को राजभाषा का दर्जा दिया जाए और राज्य में भोजपुरी अकादमी की स्थापना को मंजूरी दी जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने पहली बार विधानसभा में भोजपुरी को सम्मान दिलाया है और इसके लिए संस्था उनकी आभारी है।भोजपुरी कला को शुद्धता की दिशा में पहल को लेकर सिद्धार्थ मणि त्रिपाठी ने भोजपुरी फिल्मों और संगीत में फैल रही अश्लीलता पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे भोजपुरी की गरिमा को ठेस पहुंच रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार एक संयुक्त पैनल बनाए जो यह तय करे कि कौन सा गीत और फिल्म भोजपुरी समाज के लिए उपयुक्त है।

यह पैनल स्क्रीनिंग के बाद प्रमाण पत्र जारी करे, जिससे गुणवत्ता और मयार्दा बनी रहे।प्रेस वार्ता के दौरान सिद्धार्थ मणि त्रिपाठी ने बताया कि पूरे प्रदेश में संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया जारी है। सभी जनपदों में इकाइयाँ गठित की जा रही हैं और इसके बाद जनपदीय अधिवेशन होंगे। प्रांतीय इकाई के संरक्षक के रूप में इतिहासकार दिवाकर प्रसाद तिवारी को, उपाध्यक्ष के रूप में ओमप्रकाश चौबे (वाराणसी) और शंभूनाथ चौबे (आगरा) को तथा सचिव पद पर हीरालाल हीरा (बलिया) और श्रीमती संगीता सिंह (देवरिया) को नियुक्त किया गया है। वर्ष के अंत तक प्रांतीय अधिवेशन आयोजित किया जाएगा।

### भाजपा कार्यकताओं ने मंदिर का साफ-सफाई कर किया पूजन-अर्चन

**संवाददाता**

**भाटपार रानी देवरिया ।** अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी वर्ष अभियान के अंतर्गत रविवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने विधायक सभा कुवंर कुशवाहा के नेतृत्व में भाटपार रानी उपनगर के रानी पोखरा स्थित काली मंदिर परिसर का सफाई कर पूजन अर्चन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने अपने राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए। बाल विवाह एवं विधवा विवाह को रोकने का प्रयास किया। उन्होंने अपने राज्य में उद्योग और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाए। अहिल्याबाई होलकर सभी धर्मों के प्रति सहिष्णु थी उन्होंने बहुत सारे मंदिरों का जीर्णोद्धार कराने का काम किया। अहिल्याबाई होल्कर को एक महान शासिका एवं आदर्श महिला के रूप में आज भी याद किया जाता है। हम सभी को उनके दिखाएं मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

# राजगीर में गूंजे राम नाम के स्वर

## नालंदा की धरती से मोरारी बापू ने दिया स्वच्छता का संदेश

नालंदा। प्राचीन ज्ञान की भूमि नालंदा में शनिवार से प्रसिद्ध रामकथा वाचक पूज्य मोरारी बापू की रामकथा का शुभारंभ हो गया। राजगीर के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस आध्यात्मिक महोत्सव का भव्य उद्घाटन करते हुए मोरारी बापू ने देशवासियों से स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने का आह्वान किया। मोरारी बापू के राजगीर आगमन पर बिहार के गृह मंत्री नित्यानंद राय, नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति सहित प्रोफेसरगण, विरायतन के आचार्य संप्रज्ञा जी, सांसद कौशलेंद्र कुमार तथा सिख समुदाय एवं बौद्ध धर्म के साधु संतों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर सर्वधर्म समभाव की भावना दिखाई दी, जो राजगीर की गंगा जमुनी संस्कृति को दशार्ती है।रामकथा के प्रथम दिन मोरारी बापू ने ₹मानस नालंदा विश्वविद्यालय₹ कथा गायन से शुरूआत की। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस स्वयं में एक संपूर्ण विश्वविद्यालय है, जैसे प्राचीन काल में ऋषि मुनियों के विभिन्न प्रकार के गुरुकुल होते थे जहां लोग शिक्षा ग्रहण करते थे। मोरारी बापू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा की देश के प्रधानमंत्री ने स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण काम किया है। आज हम सभी मिलकर इस नालंदा की पवित्र धरती से देश की स्वच्छता एवं पवित्रता बनाए रखने का संकल्प लेते हैं।₹ अपने प्रवचन में मोरारी बापू ने धर्म की सही व्याख्या करते हुए कहा की धर्म कभी आतंकी नहीं हो सकता। धर्म हमेशा आशीष और आशीर्वाद के रूप में होता है। उन्होंने हनुमान जी की भक्ति में चार प्रकार की पवित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि आज लोगों में काम की पवित्रता होनी चाहिए। मोरारी बापू ने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए कहा की ₹प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय हमेशा ज्ञान की भूमि रही है। यह भूमि अपने आप में विशिष्ट है।

प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के ग्रंथों को विखंडित कर देने के बाद भी आज नालंदा विश्वविद्यालय की विचारधारा की ध्वजा आज भी फहरा रही है।₹ यह रामकथा कार्यक्रम एक जून तक चलेगा, जिसमें मोरारी बापू श्रीराम के जीवन, मयार्दा, आदर्शों और भक्ति की गहराई पर आधारित कथा सुनाएंगे। रामकथा प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चलेगी। इस कार्यक्रम में देश विदेश से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों और जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। आयोजन समिति द्वारा श्रोताओं के लिए निःशुल्क भोजन व्यवस्था की गई है, जिसमें सुबह का नाश्ता और दोपहर का भोजन सभी को निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। साथ ही शुद्ध पेयजल, चिकित्सा सहायता और अन्य आवश्यक सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। राजगीर जैसी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक नगरी में मोरारी बापू की रामकथा का आयोजन न केवल स्थानीय श्रद्धालुओं बल्कि दूर दराज से आने वाले भक्तों के लिए भी एक विशेष अवसर है। रामकथा के माध्यम से मोरारी बापू लोगों में नैतिक मूल्यों, प्रेम, करुणा और सत्य की भावना जागृत करते हैं।

कार्यक्रम के पहले दिन ही पूरे वातावरण में भक्ति और श्रद्धा की भावना देखने को मिली। आसपास के गांवों के ग्रामीण एवं शहर के लोग बड़ी संख्या में भाग लेकर इस धार्मिक वातावरण का लाभ उठा रहे हैं।

## संक्षिप्त डायरी

### मां की प्राकृतिक मृत्यु के बाद छ घंटे में बेटे की करंट लगने से दर्दनाक मौत, शौच के लिए गया था अधेड़

**नालंदा।** जिले के सैदपुर गांव (एकंगरसराय थाना क्षेत्र) में एक ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। सिर्फ 6 घंटे के अंदर मां और बेटे की मौत हो गई, जिससे गांव में मातम छा गया है। मृतकों में 80 साल की मुन्ना देवी और उनके 42 साल के बेटे जन्मजेय कुमार शामिल हैं। परिवार में पहले मां मुन्ना देवी की शनिवार और रविवार की रात अचानक मौत हो गई थी। घर वाले उनके अंतिम संस्कार की तैयारी कर ही रहे थे कि सुबह एक और दुखद घटना हो गई। मृतक के भाई संजय कुमार ने बताया कि जन्मजेय अहले सुबह शौच के लिए गांव के तालाब के पास गया था। वहां बोरिंग के लिए बिजली की तार बिछी हुई थी, जो खुले में पड़ी थी। उसी तार की चपेट में आने से उसे करंट लग गया और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। राहगीरों ने उसे देखा तो तुरंत इलाज के लिए एकंगरसराय के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पूरे गांव और परिवार में गहरा शोक है। मां बेटे की मौत के बाद पूरे घर में कोहराम मच गया है। जन्मजेय कुमार अपने चार भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे थे। वे हलवाई का काम करते थे और उनके तीन बेटे हैं। अब गांव में एक साथ मां और बेटे के अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही है। एकंगरसराय थाना अध्यक्ष अखिलेश कुमार झा ने बताया कि बोरिंग के पास करंट की चपेट में आने से अधेड़ व्यक्ति की मौत हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ के मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। परिवार की ओर से किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पुलिस ने इस मामले में यूडी (अप्राकृतिक मृत्यु) केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

### जमीन विवाद बना मौत की वजह, बथान पर सो रहे किसान की गोली मारकर हत्या, दो लोग हिरासत में

**समस्तीपुर।** जिले के विद्यापति नगर थाना क्षेत्र के कल्याणगंज के बगराहा टोला में शनिवार रात एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। किसान सुरेंद्र सिंह (40 वर्ष) अपने घर के पास पशुओं के बथान पर सो रहे थे, तभी बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया। उन्हें आंख और नाक के पास दो गोलियां लगीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना रात करीब 12 बजे की है।गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग जागे और बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन वे फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गांव के ही दो लोगों मदन सिंह और अनिल सिंह को हिरासत में लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक के छोटे भाई मंजय कुमार ने बताया कि सुरेंद्र सिंह बथान पर सो रहे थे, तभी गांव के ही मदन सिंह और अनिल सिंह ने सोते समय उन्हें गोली मार दी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में शोक का माहौल है।मंजय ने बताया कि उनके दादा संतोखी सिंह ने साल 1960 में मदन सिंह के दादा टूना महतो से चार कट्ठा जमीन की रजिस्ट्री कराई थी। लेकिन कई सालों से उस जमीन पर मदन सिंह और उनके परिवार वालों ने कब्जा कर रखा था। साल 2017 में जब जमीन के कागजात सामने आए, तो मंजय और उनके परिवार ने अपनी जमीन पर कब्जा लेने की कोशिश की। तभी से सुरेंद्र सिंह और मदन सिंह के बीच विवाद शुरू हो गया। इस मामले को लेकर कोर्ट में केस भी दर्ज कराया गया था। इसके बाद से ही मदन सिंह और अनिल सिंह लगातार परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे थे। इस संबंध में कई बार थाने में शिकायत भी की गई और गांव में पंचायत भी हुई, लेकिन वे लोग बात मानने को तैयार नहीं हुए।

### तेज रफ्तार वाहन ने युवक को कुचला, ममेरे भाई की मौत पर मां को ननिहाल पहुंचा कर लौट रहा था

**बेगूसराय।** एक युवक को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। इससे युवक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। दुर्घटना साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र के जीरोमाइल के समीप की है। मृतक की पहचान मुंगेर जिला निवासी युवक के रूप में की गई है। सड़क दुर्घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के हीराटोल गांव के समीप स्थित जीरो माइल एनएच 333बी पर हुई। काफी समय तक युवक का पहचान नहीं हो सका था। पुलिस और स्थानीय लोगों के प्रयास से रात करीब 12 बजे युवक की शिनाख्त की गई। उक्त युवक के ममेरे भाई की मौत हो गई थी, वह अपने ननिहाल से लौट रहा था। बताया जा रहा है कि युवक मुंगेर के मुफसिल थाना अंतर्गत टिका रामपुर निवासी अर्जुन साह का पुत्र रौशन कुमार (19) था। वह साहेबपुरकमाल थाना के मल्हीपुर में अपनी बाइक से ननिहाल गया था। ममेरा भाई के डेथ होने पर मां को छोड़ने ननिहाल गया था। बताया जा रहा है कि छोड़कर वापस लौट रहा था, तभी हादसा हो गया। घटना को अंजाम देकर अज्ञात गाड़ी घटनास्थल से फरार हो गया।

## पप्पू यादव ने जनसुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष को बताया बहरूपिया

**पूर्णिया।** निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह पर निशाना साधा है। बिना नाम लिए ब्लैकमेलर, अहंकारी और बहरूपिया तक कह डाला। वहीं, सांसद के बयान पर उदय सिंह ने पलटवार करते हुए कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। शनिवार को 20 सूत्रीय समिति की बैठक खत्म होने के बाद जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष से जुड़े सवाल पर पप्पू यादव ने कहा कि पूर्णिया में उनका किसी से कोई मुकाबला नहीं है। जनता बेईमान लोगों को खत्म कर देगी। यहां कोई वैकेंसी नहीं है। वहीं, पप्पू यादव के बयान पर उदय सिंह ने अल्टीमेटम देते हुए कहा, 'आज दिन भर में तीन लोगों के मुंह से उन्हें अपने बारे में ये बातें सुनने को मिली। पूर्णिया के सांसद ने कुछ दिन पहले ही मुझे मैसेज करके कहा था कि अब अनर्गल बयान से परहेज करेंगे। इस पर मैंने कहा था कि अगर वो बयानबाजी नहीं करेंगे तो मैं भी नहीं बोलूंगा। बता दें, इससे पहले पप्पू यादव ने पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों के प्रोटेस्ट के दौरान जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को भी बहरूपिया बताया था। इस पर पलटवार करते हुए पीके ने पूर्णिया में पप्पू यादव को बरसाती मेंढक तक कह डाला था।

## अब देशभर में होगी राजगीर की चर्चा

**पटना।** राजगीर में खेल परिसर सह खेल विश्वविद्यालय में इनडोर व आउटडोर खेलों की सुविधाएं भवन निर्माण विभाग ने चरणबद्ध तरीके से विकसित की है। यहां बिहार का पहला और देश का छठा खेल विश्वविद्यालय है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानको को ध्यान में रखते हुए मैदान का निर्माण सचिव कुमार रवि ने बताया कि राजगीर खेल परिसर विभाग की महत्वकांक्षी परियोजना है। एक ही परिसर में खेलों के मैदान के साथ-साथ प्रशिक्षण एवं अभ्यास की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए खेल मैदानों का निर्माण किया गया है। कोविड-19 महामारी और अन्य चुनौतियों के बावजूद विभाग के अधिकारियों और अभियंताओं ने समयबद्ध तरीके से इस शानदार खेल परिसर को तैयार किया है। निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। इसमें मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। 40 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस स्टेडियम का निर्माण जल्द पूरा कर लिया जाएगा। सचिव ने कहा कि, खेल परिसर में कुश्ती, भारोत्तोलन, वालीबाल, बैडमिंटन, तीरंदाजी, शूटिंग, कबड्डी, जूडो, तायक्वांडो, बाक्सिंग, क्रिकेट, फुटबाल, हाकी, बास्केटबाल, हैंडबाल, वालीबाल, साइकिलिंग, एथलेटिक्स ट्रैक, शाटपुट, लंबी कूद, ट्रिपल जंप, पोल वाल्ट, सेपक टाकरा एवं तैराकी समेत 33 तरह के इनडोर और आउटडोर खेल शामिल हॉकी प्रैक्टिस टर्फ का भी निर्माण किया गया है। परिसर में एक आधुनिक शैक्षणिक भवन बनाया गया है, जिसमें बिहार खेल विश्वविद्यालय का कार्यालय, पदाधिकारियों के लिए कार्यालय और 242 की क्षमता वाला एक ऑडिटोरियम शामिल है। खिलाड़ियों के लिए 149 कमरों वाला बालक छात्रावास, 78 कमरों वाला बालिका छात्रावास, 100 क्षमता वाला ट्रांजिट हास्टल, प्रशिक्षकों के लिए आवास और 324 क्षमता वाला मेस भी निर्मित किया गया है। निदेशक, उप निदेशक और स्टाफ के लिए आवासीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। खिलाड़ियों के लिए खेल के दौरान लगी चोट के साथ साथ अन्य प्रकार के इलाज की भी व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि अधिकतर खेल सुविधाओं का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। कई तरह के मल्टीपर्पस इनडोर हाल का निर्माण किया गया है, जिसमें विभिन्न तरह के खेल आयोजित हो रहे हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के दौरान राजगीर खेल परिसर में पांच खेल आयोजित किए गए थे। खेल परिसर में निर्मित विश्वस्तरीय हॉकी टर्फ, ऑस्ट्रेलिया से आयातित एस्ट्रो-टर्फ और जर्मनी के ऑटोमेटेड स्प्रिंकलर सिस्टम से सुसज्जित है। सचिव ने कहा कि यह परिसर किसी भी वैश्विक खेल आयोजन के लिए आदर्श स्थल है। हमारा लक्ष्य बिहार के युवाओं को विश्वस्तरीय मंच प्रदान करना है। इस साल हाकी टर्फ पर पुरुष एशिया कप 2025 खेला जाना है।

## स्वप्नसिटी में चोरों का कहर

### 4 सूने मकानों के ताले टूटे, लाखों का माल ले उड़े चोर, पुलिस बेखबर

**सीहोर।** भैरूंदा नगर की स्वप्न सिटी कॉलोनी में चोरों ने एक साथ चार घरों के ताले तोड़ दिए और लाखों रुपए का सामान चोरी कर लिया। पिछले कुछ समय से इस कॉलोनी में चोरियां बढ़ गई हैं। यहां लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं, जिससे नगर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, चोरों ने देवीलाल, संतोष, अशोक यादव और प्रशांत राजपूत के खाली पड़े घरों को निशाना बनाया। अशोक यादव अपने परिवार के साथ इंदौर गए हुए थे, जबकि प्रशांत राजपूत का परिवार शादी में व्यस्त था। बाकी दो घरों पर भी ताला लगा हुआ था। प्रशांत राजपूत की पत्नी अर्चना राजपूत ने बताया कि वे शादी में गई थीं, उसी दौरान उनके घर से चोरी हुई। चोरों ने वहां से 7-8 तोला सोना और चांदी के सामान समेत कई चीजें चुरा लीं। एक अन्य पीड़ित महिला ने भी बताया कि उनके घर से सोना-चांदी और नकदी चोरी हो गई। वे अपने गांव गई हुई थीं, तब चोर उनके घर में घुसे। पुलिस के मुताबिक, चार घरों में चोरी हुई है, जिनमें से दो घरों से लाखों रुपए का कीमती सामान चोरी गया है। बाकी दो घर किराए के थे और उनमें कोई खास कीमती सामान नहीं था। बताया जा रहा है कि चोरों ने पांच घरों के ताले तोड़े हैं, लेकिन पुलिस ने केवल चार घरों में चोरी की पुष्टि की है।भैरूंदा नगर की स्वप्नसिटी कॉलोनी चोरों के लिए हमेशा से ही आसान जगह रही है। यहां अक्सर चोरी की घटनाएं होती रहती हैं। चोरों को यहां आसानी से घूमने-फिरने और भागने के लिए जगह मिल जाती है। चोरी करके वे आसानी से फरार हो जाते हैं। इससे पहले भी इस कॉलोनी में एक ठेकेदार के घर से लाखों रुपए चोरी हो चुके हैं। स्वप्नसिटी में हाल ही हुई चोरी का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें पांच चोर दिख रहे हैं। सभी ने मुंह ढके हुए हैं और हाथ में डंडा लिए हुए हैं। यह फुटेज सितंबर-अक्टूबर 2024 में हुई चोरी का भी है, जिसमें भी पांच ही चोर नजर आए थे। दोनों फुटेज में चोरों की हाइट और कद लगभग एक जैसा है। पुलिस को शक है कि पिछले साल और इस बार की चोरी के पीछे वही चोर हो सकते हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक कॉम्बिंग गश्त अभियान चला रही है। इस दौरान पुलिस वारंटियों को पकड़कर अदालत में पेश कर रही है। पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला ने हाल ही में भैरूंदा थाने जाकर इस गश्त अभियान की जानकारी दी थी। इसके बावजूद चोरों ने स्वप्नसिटी के चार घरों से चोरी कर लाखों रुपए का माल चोरी कर लिया। पुलिस अभी दो दिन पहले छिदगांव मौजी में हुई 8 लाख रुपए से ज्यादा की चोरी की भी जांच कर रही है। थाना प्रभारी घनश्याम दांगी ने बताया कि स्वप्नसिटी कॉलोनी के चार घरों से चोरी हुई है। चोरों को सीसीटीवी में कैद कर लिया गया है।

## मिड डे मील को लेकर शिक्षा विभाग ने कर दिया बड़ा एलान

**पटना।** राज्य के तकरीबन 71567 प्रारंभिक विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना (मिड डे मील) के संचालन की नियमित निगरानी होगी। हर विद्यालय में कितने बच्चों ने मिड डे मील खाया और कितने बच्चे गैरहाजिर रहे, इसकी रिपोर्ट प्रत्येक दिन पोर्टल पर अपलोड होगी। मिड डे मील में किसी प्रकार की अनियमितता, छात्रों की उपस्थिति में फजीर्वाड़ा एवं निर्धारित मेन्यू का पालन नहीं होने की शिकायत पर संबंधित जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ), जिला कार्यक्रम प्रबंधक तथा जिला एवं प्रखंड साधनसेवी पर कार्रवाई होगी। इससे संबंधित निर्देश शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने सभी जिलों के जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों (मध्याह्न भोजन योजना) को दिया है। उन्होंने मिड डे मील के संचालन में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ), जिला कार्यक्रम प्रबंधक तथा जिला एवं प्रखंड साधनसेवी पर अहम जिम्मेदारी दी है। निर्देश में अपर मुख्य सचिव ने नाराजगी जताते हुए कहा है कि योजना के संचालन एवं क्रियान्वयन के संबंध में बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त होती है कि जिलों में मध्याह्न भोजन निधारित मेन्यू के अनुसार नहीं दिया जाता है। छात्रों की उपस्थिति में फजीर्वाड़ा किया जाता है और मध्याह्न भोजन का संचालन बाधित रहता है। निर्देश में हिदायत भरे शब्दों में अपर मुख्य सचिव ने कहा है कि सामान्यतः देखा जाता है कि मध्याह्न भोजन की अनियमितता की शिकायत प्राप्त होने पर केवल प्रधानाध्यापक या प्रधान शिक्षक पर ही कार्रवाई की जाती है तथा केंद्रीयकृत रसोईघर के विपत्र की राशि से कटौती की जाती है।

## गर्मी से राहत के लिए दही-चावल खा रहे चिम्पांजी: बर्फ की सिल्ली से खेल रहे भालू

**पटना।** बिहार में भीषण गर्मी को देखते हुए पटना जू में जानवरों और पक्षियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। जू प्रशासन की ओर से जानवरों को हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। बाघ और शेर की गुफाओं में ठंडी हवा के लिए कूलर लगाया गया है।

वहीं, गर्मी से राहत के लिए भालू बर्फ की सिल्ली से खेल रहे हैं। इसके साथ ही चिम्पांजी के केज में एसी लगाया गया है। जलीय पक्षियों और चीतल, हिरन, सांभर जैसे जानवरों के बाड़े में फॉगर लगाया गया है। जू प्रशासन के अनुसार मांसाहारी और शाकाहारी जानवरों के लिए अलग अलग इंतजाम किए गए हैं। गर्मी बढ़ते ही बाघ का भोजन कम हो गया है। 11 किलो के स्थान पर अब यह 9 किलो मीट खा रहा है। चिम्पांजी दही-चावल के साथ डाभ पीने लगा है। उसे अंगूर, सेब, केला और अनार सहित अन्य मौसमी फल दिए जा रहे हैं, ताकि बॉडी में पानी की कमी न हो।

वहीं, हाथी को ईख के स्थान पर केले का थम मिलने लगा है। भालू खीर खा रहा है और झड़ने में नहा रहा है। पक्षियों के बाड़े में तपिश कम करने के लिए वॉटर स्प्रिंकलर के इंतजाम किए गए हैं। पक्षियों के बाड़े में पानी का छिड़काव लगातार किया जा रहा है। कर्मचारियों के द्वारा जानवरों की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। डॉक्टर भी रूटीन चेक-अप से मॉनिटरिंग करते रहते हैं। इसके साथ ही जलीय पक्षियों के बाड़े में फॉगर लगाया गया है। पक्षियों को पीने के लिए दिए जाने वाले पानी को दिन में दो बार बदला जा रहा है। वहीं, बर्ड फ्लू को देखते हुए हर सोमवार पक्षियों के बाड़े में हल्दी ट्रीटमेंट किया जाता है, ताकि बीमारी न फैले। जानवरों को धूप से बचाने के लिए शेड की भी व्यवस्था की गई है। लू और गर्म हवा से बचने के लिए बाड़े को पुआल से ढंका गया है। इसके साथ ही जानवरों को पानी में ग्लूकोज और मल्टीविटामिन की गोली मिलाकर दी जा रही है, ताकि उनकी ऊर्जा कायम रहे और लू से बचाया जा सके। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की गाइड लाइन के अनुसार वन्य प्राणियों के कैलेंडर बना है।

## सुहागिन महिलाएं आज करेंगी वट सावित्री का व्रत

### कृत्तिका नक्षत्र और शोभन योग का बन रहा संयोग, जानें पूजा का शुभ मुहूर्त

पटना। अखंड सौभाग्य की कामना से सुहागिन महिलाएं आज यानि सोमवार को वट सावित्री का व्रत करेंगी। ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या में भरणी और कृत्तिका नक्षत्र का युग्म संयोग के साथ शोभन योग रहेगा। वट वृक्ष को देव वृक्ष माना गया हैं। इस दिन बरगद के वृक्ष की पूजा कर महिलाएं देवी सावित्री के त्याग, पति प्रेम एवं पति व्रत धर्म का स्मरण करती हैं। महिलाएं वट वृक्ष को अक्षत, पुष्प, चंदन, ऋतुफल, पान, सुपारी, वस्त्र, धुप-दीप आदि से पूजा कर पंखा भी झलेंगी। पंडित राकेश झा ने स्कन्द पुराण के हवाले से बताया कि वट सावित्री का व्रत एवं इसकी पूजा व परिक्रमा करने से सुहागिनों को अखंड सुहाग, पति की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य वंश वृद्धि, दांपत्य जीवन में सुख-शांति तथा वैवाहिक जीवन में आने वाले कष्ट दूर होते हैं। पूजा के बाद भक्तिपूर्वक सत्यवान-सावित्री की कथा सुनना और वाचन करना चाहिए। इससे परिवार पर आने वाली अदृश्य बाधाएं दूर होती हैं तथा घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। महिलाएं पूरे दिन उपवास करेंगी और सोलह श्रृंगार कर आंगन को अरिपन से लेप कर पति-पत्नी संग में वट की पूजा नियम-निष्ठा से करने के बाद चौदह बांस से निर्मित लाल-पीला रंग में रंगा हुआ हाथ पंखा से वट वृक्ष को हवा देंगी। इस पूजा में आम और लीची की प्रधानता रहती है। गुड्डा-गुड़िया को सिंदूर दान भी होगा। रंगा हुआ घड़ा में पूजन की दीपक प्रज्ज्वलित रहेगी। पूजा के बाद नव दंपति को बड़े-बुजर्ग महिलाएं धार्मिक व लोकाचार की कई कथाएं सुनाएगी। उसके बाद पांच सुहागिन महिलाएं नवविवाहिता के साथ खीर, पूरी व ऋतुफल का प्रसाद ग्रहण करेंगी। वैदिक गंथों और पौराणिक ग्रंथों में मृत्यु को भी चुनौती देने वाले वट प्रजाति के वृक्षों में बरगद को अमूल्य बताया गया है। इसकी जड़, छल, पत्ता, दूध, छाया तथा हवा न सिर्फ मनुष्यों बल्कि पृथ्वी, प्रकृति और समस्त जीव-जंतुओं के लिए जीवन रक्षक माना गया है। मनुष्य के शरीर में बिमारियों के रूप में यदि यमदूत प्रवेश कर गया हो और वह इस वृक्ष की शरण में चला जाए, तो जैसे सावित्री ने अपने पति सत्यवान को यमराज के हाथ से जीवित लौटने में सफलता हासिल की थी। उसी प्रकार सामान्य व्यक्ति भी यमदूतों से मुक्ति पा सकता है। भविष्य पुराण के अनुसार यमराज ने चने के रूप में ही सत्यवान के प्राण सावित्री को वापस दिए थे। सावित्री चने को लेकर सत्यवान के शव के पास आई और चने को सत्यवान के मुख में रख दिया, इससे सत्यवान फिर जीवित हो गए थे। चना के प्राणदायक महत्व होने के कारण इसे वट सावित्री की पूजा में अंकुरित चना अर्पण किया जाता है।

**वट सावित्री पूजा का शुभ मुहूर्त**

अमावस्या तिथिः दोपहर 11:02 बजे से पूरे दिन

अभिजित मुहूर्तः दोपहर 11:20 बजे से 12:14 बजे तक

गुली काल मुहूर्तः दोपहर 01:28 बजे से शाम 03:10 बजे तक

चर-लाभ-अमृत मुहूर्तः दोपहर 01:28 बजे से शाम 06:32 बजे तक

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की नई दिल्ली में आयोजित बैठक में नायब सिंह सैनी हुए शामिल

## जातिगत जनगणना से विभिन्न समुदायों की वास्तविक स्थिति का होगा सटीक आकलन

**नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रव्यापी जातिगत जनगणना का ऐतिहासि-ाक निर्णय लेकर दूरदर्शी नेतृत्व का परिचय दिया है। यह निर्णय सामाजिक न्याय की दिशा में एक अभूतपूर्व कदम है जो समाज के सबसे वंचित और उपेक्षित वर्गों को उनके अधिकार और अवसर प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।मुख्यमंत्री ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों की बैठक में यह बात कही। इस बैठक में ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र बलों के पराक्रम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहसी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी इस एक दिवसीय सम्मेलन में शामिल हुए।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" का मंत्र इस निर्णय में जीवंत रूप से प्रकट हुआ है।यह कदम वंचित समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को समझने में मदद करेगा, जिससे उनकी शिक्षा, रोजगार और समग्र प्रगति के लिए लक्षित नीतियां बन सकेंगी। आपका यह प्रयास समाज के हर कोने तक विकास की रोशनी पहुंचाने की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना से विभिन्न समुदायों की वास्तविक स्थिति का सटीक आकलन होगा, जिससे योजनाएं और अधिक प्रभावी होंगी।

यह सरकार के विजन का हिस्सा है, जो हर भारतीय को समान अवसर और सम्मान प्रदान करने पर केंद्रित है। सरकार के इस कदम से समाज के सबसे कमजोर तबके का जीवन स्तर ऊंचा उठेगा, जो जन-केंद्रित शासन का एक और उदाहरण है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार कर अपनी उदारता और दूरदर्शिता का परिचय दिया।

यह कदम सिद्ध करता है कि सरकार सभी के विचारों का सम्मान करती है और देशहित में बड़े निर्णय लेने में सक्षम है और यह नेतृत्व भारत को वैश्विक मंच पर और गौरव दिलाएगा। नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने लंबे समय तक जातिगत जनगणना के मुद्दे पर केवल राजनीति की, जिसके कारण समाज के वंचित वर्गों को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया। इस मुद्दे को बार-बार टालकर और इसे राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करके, पार्टी ने सामाजिक न्याय की दिशा में न केवल प्रगति को रोका, बल्कि जातिगत आधार पर समाज में विभाजन को भी बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि इससे वंचित समुदायों को उनकी उचित हिस्सेदारी और सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न हुई, जिसका खामियाजा समाज के कमजोर वर्गों को भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार ने उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना और जन धन योजना जैसी क्रांतिकारी योजनाओं से गरीबों और वंचितों के प्रति अपनी संवेदनशीलता को बार-बार सिद्ध किया है। अब जातिगत जनगणना का यह निर्णय इन प्रयासों को और मजबूती देगा, जिससे समाज का हर तबका सरकार के कल्याणकारी शासन का लाभ उठा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का वंचितों के प्रति योगदान का यह निर्णय भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। प्रधानमंत्री के इस ऐतिहासिक निर्णय ने सामाजिक न्याय और समानता के एक नए युग की शुरूआत की है। इससे भारत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि सामाजिक और नैतिक रूप से भी सशक्त हो रहा है।

## क्रेटा गाड़ी छीनने और फायरिंग मामले में दो गिरफ्तार, आरोपियों से 3 पिस्तौल बरामद

**हिसार:** सीआईए टीम ने एयरपोर्ट के चौक के पास क्रेटा गाड़ी छीनने और फायरिंग करने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपितों नारनौंद एरिया के राजथल निवासी अमन और पेटवाड़ निवासी पंकज के पास से तीन अवैध पिस्तौल और 8 कारतूस बरामद किए है। वारदात को अंजाम देने के आरोपित शहर के सेक्टर 33 में छीनी गई क्रेटा गाड़ी को छोड़कर फरार हो गए थे। पुलिस ने वारदात के बाद गाड़ी को बरामद किया था। आरोपितों से पूछताछ जारी है। सीआईए प्रभारी उप निरीक्षक कर्ण सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को गश्त के दौरान सूचना मिली की दो युवक एयरपोर्ट के पास संदिग्ध हालत में घुम रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शक के आधार पर राजथल निवासी अमन और पेटवाड़ निवासी पंकज को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान दोनों के पास से तीन अवैध पिस्तौल और आठ कारतूस मिले। पूछताछ के दौरान सामने आया कि आरोपितों ने 18 मई को दो वारदात को अंजाम दिया था। दोनों ने जींद-बरवाला रोड पर पिस्तौल दिखाकर क्रेटा गाड़ी छीनी थी और जींद के रामराय में हवाई फायर किया था।

## पानीपत में अफेयर के चलते युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया।

**पानीपत :** पानीपत में अफेयर के चलते युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। शहर के सेक्टर-25 के कृष्णा गार्डन कालोनी में भाभी के साथ युवक का प्रेम-प्रसंग था। बताया जा रहा है कि अफेयर के चलते युवक परेशान रहता था, जिस वजह से उसने जान दे दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार यूपी के शामली जिले का रहने वाला 24 वर्षीय सागर करीब 1 साल पहले अपनी भाभी (प्रेमिका) को लेकर पानीपत आया था। फिलहाल कृष्णा गार्डन कालोनी मे किराए पर रह रहे थे। इस वजह से उसके अपने परिजनों के साथ भी अच्छे संबंध नहीं रहे। मृतक पानीपत में ही एक फैक्ट्री में काम करता था। मृतक के परिजनों ने बताया कि प्रेमिका का मृतक सागर के दोस्त के साथ भी अफेयर था। बीती 20 मई को वह उसके साथ चली गई। जिससे वजह से परेशान होकर सागर जान दे दी। परिजनों ने बताया कि जब वह कमरे से बाहर नहीं आया तो पड़ोसियों को शक हुआ। खिड़की से देखा तो सागर फंदे पर लटका हुआ था। युवक के पास से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने प्रेमिका को मौत का जिम्मेदार ठहराया है। सुसाइड नोट में लिखा कि मैनें आपकी बात नहीं मानी। सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम परिजनों को सौंप दिया है।

## 5 जून को शिक्षा निदेशालय का घेराव में करेंगे सैकड़ों अध्यापक, हजारों शिक्षक होंगो शामिल

**हिसार।** सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की जिला कार्यकारिणी की मीटिंग जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूडी वर्कर्स यूनियन के नहर कॉलोनी स्थित कार्यालय में संपन्न हुई। मीटिंग का संचालन जिला सचिव विनोद प्रभाकर ने किया। मीटिंग में राज्य ऑडिटर पवन कुमार विशेष रूप से शामिल रहे। मीटिंग को संबोधित करते हुए राज्य ऑडिटर पवन कुमार ने बताया कि अध्यापकों की मांग मुद्दों को लेकर अध्यापक संघ द्वारा 5 जून 2025 को शिक्षा सदन पंचकूला पर घेराव करेगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की कर्मचारी, किसान, मजदूर व आम जनता विरोधी नीतियों के खिलाफ आगामी 9 जुलाई को ट्रेड यूनियनों की प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हरियाणा के हजारों शिक्षक शामिल होंगे। संघ के नेताओं ने मांग की कि केंद्र सरकार पुरानी पैंशन बहाल करे, आठवें वेतन आयोग का गठन करे, सार्वजनिक शिक्षा, स्वास्थ्य व सार्वजनिक सेवाओं का विस्तार करे और निजीकरण पर रोक लगाए। जिला सचिव विनोद प्रभाकर बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यदि अध्यापकों को अतिरिक्त कार्य दिया जाता है तो हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ इसका विरोध करेगा। जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा ने मीटिंग को संबोधित करते हुए राज्य सरकार से मांग की कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत हटाए गए अध्यापकों को तुरंत बहाल किया जाए तथा अध्यापकों के स्थानांतरण जल्दी से जल्दी किए जाएं व अध्यापकों पर आनलाइन डायरी लिखने के आदेश को वापस लिया जाए। मीटिंग में जिला वित्त सचिव बिजेंद्र सिंह, सह सचिव भूपेंद्र सिंह, आमन्त्रित सदस्य विजय पीट-ीआई, जिला आडिटर सुभाष जास्ट, कार्यालय सचिव राजेंद्र, हिसार प्रथम के प्रधान शमशेर सिंह, हिसार द्वितीय के प्रधान अशोक यादव, नारनौंद के प्रधान नरेश नरवाल, अग्रोहा ब्लाक के प्रधान नरेंद्र लोरा, आदमपुर के प्रधान दलबीर भादू, सचिव लीलू राम, बरवाला के प्रधान रामपाल व वित्त सचिव सत्यवान मौजूद रहे।

## 80 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का एक और आरोपी अरेस्ट , पैसे दोगुने का लालच देकर करते थे फ्रॉड

**रतिया :** आर्थिक अपराध शाखा फतेहाबाद ने करोड़ों रुपये के धोखाधड़ी के मामले में एक ओर युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान रतिया के गुरुसर निवासी जसबीर सिंह उर्फ शीरा के रूप में हुई है। आरोपित को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। आर्थिक शाखा प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार ने इस बारे में 16 अप्रैल को सहनाल निवासी अमरीक सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार गांव सहनाल के ही डॉ. सुखदेव सिंह ने अपने पिता के नाम से शीशपाल फ्रंटलाइन कंसल्टेंसी एंड सर्विसेज प्रा. लि. के नाम से कंपनी बना रखी है। वह एक महीने में लोगों को दोगुना रुपये करने का लालच देकर धोखाधड़ी कर लोगों के पैसे लगवा रहा है। इस मामले में मुख्य मास्टर माइंड डॉ. सुखदेव सिंह सहित पांच लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर आर्थिक अपराध शाखा फतेहाबाद पुलिस की टीम लाखों रुपये की संपत्ति बरामद कर चुकी है। पुलिस को शिकायत मिलते ही मामला दर्ज किया इस मामले में पुलिस ने 5 मई को आरोपित बलिन्दर कुमारव जसवंत सिंह उर्फ शीरा को गिरफ्तार किया और उसके बाद आर्थिक अपराध शाखा की पुलिस टीम ने मुख्य मास्टरमाइंड डॉ. सुखदेव सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया था।

## हरियाणा में 1.80 लाख से कम आय वालों की होगी मौज

**हरियाणा :** हरियाणा सरकार की ओर से लोगों के लिए कई योजनाएं चलाई गई हैं। इनमें से एक परिवार पहचान पत्र योजना है। इस योजना के तहत 1.80 लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवारों के लिए सरकार ने घोषणा की है। हाल ही में चंडीगढ़ से हुई इन घोषणाओं के बाद राज्य के लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिलने जा रहा है। ये स्टोरी में परिवार आईडी योजना के तहत प-रिवारों के लिए की गई घोषणाओं के बारे में पूरी जानकारी दी गई है। बीपीएल राशन कार्ड: सरकार 1.80 लाख रुपये से कम आय वाले परिवारों के लिए इढछ राशन कार्ड जारी कर रही है। इससे इन परिवारों को रियायती दरों पर अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुएं मिल सकेंगी। मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं: सरकार इन परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की योजना बना रही है। शिक्षा में सहायता: सरकार की ओर से 1.80 लाख रुपये से कम आय वाले परिवारों के बच्चों को शिक्षा में मदद करने की योजना बना रही है।

## छात्र की कटिंग पर टीचर ने उठाए सवाल, गुस्से में लाल हुए परिजन ने प्राइवेट स्कूल के एक टीचर को पीट दिया।

**सिरसा :** सिरसा के गांव भंभूर में 9वीं कक्षा के एक छात्र की शिकायत पर उसके परिजनों ने प्राइवेट स्कूल के एक टीचर को पीट दिया। छात्र का आरोप था कि टीचर ने उसके बाल कटवाने पर टोका था। साथ ही कहा था कि सही ढंग से बाल कट-वाकर स्कूल आए। परिजनों के हंगामे के बाद स्कूल प्रशासन ने छात्र को स्कूल से निकाल दिया है। साथ ही प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने इस मामले में मीटिंग बुलाकर फैसला लिया है कि इस छात्र को किसी भी प्राइवेट स्कूल में एडमिशन न दिया जाए। मामले की शिकायत पुलिस को भी दी गई है। स्कूल के टीचरों का आरोप है कि छात्र के परिजनों ने लात-घूंसों से पीटा और लोहे की कुर्सी भी उठाकर मारी। परिजनों और टीचरों के बीच झगड़े के कुछ वीडियो सामने आए हैं। सिरसा के गांव भंभूर में सनराइज इंटरनेशनल स्कूल में प्रिंसिपल और संचालक को उंगली दिखाकर धमकी देते छात्र के परिजन वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। स्कूल की प्रिंसिपल अरुणा कुमारी ने पुलिस को बताया है कि 9वीं का एक छात्र स्कूल में अजीब सी कटिंग करवाकर आया। जब उस-के क्लास टीचर सुनील कुमार ने उसे देखा तो टोक दिया। प्रिंसिपल ने कहा कि टीचर सुनील ने सख्त लहजे में छात्र को ठीक से बाल कटवाकर स्कूल आने के लिए कहा था। उस समय तो बच्चा चुपचाप बैठा रहा। वह कुछ नहीं बोला, लेकिन घर जाकर उसने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी। अब पता नहीं कि छात्र ने परिजनों को ऐसा क्या बताया कि परिजन गुस्से में स्कूल तक लड़ने चले आए। उन्होंने बताया कि छात्र के पिता पवन कुमार अपने साथ कमल कुमार, मोहित कुमार, मुकेश कुमार और रामकुमार को लेकर स्कूल आया। ये सभी 3 बाइक पर आए। ये लोग आते ही सीधा क्लास रूम में पहुंचे। यहां टीचर सुनील कुमार क्लास ले रहे थे। शिकायत में बताया गया है कि परिजनों ने क्लास रूम में ही टीचर को पीटना शुरू कर दिया। उन्होंने सुनील कुमार को थप्पड़-मुक्के मारे। इसके बाद परिजन मोहित कुमार ने क्लास में रखी लोहे की कुर्सी भी टीचर सुनील पर दे मारी। जब टीचर ने शोर मचाया तो दूसरे टीचर भी मौके पर पहुंचे। प्रिंसिपल का कहना है कि टीचर को बचाने स्कूल संचालक रमेश कुमार के साथ अन्य टीचर आए थे। आरोपियों ने उन्हें भी पीट डाला। महिला टीचर गीता, किरण, मीनू बीच-बचाव करने आईं थी तो उनके साथ भी आरोपियों ने हाथापाई की। इसमें टीचरों को चोटें भी लगीं। उनका माधोसिंधाणा स-रकारी अस्पताल में इलाज करवाना पड़ा। टीचर के साथ ऐसा व्यवहार करना निदंनीय: भारत भूषण सर्व विद्यालय संघ के संरक्षक भारत भूषण ने बताया

## हरियाणा में कोरोना की दस्तक, 4 जिलों में मिले 9 कोरोना केस

**हरियाणा :** हरियाणा में कोरोना ने दस्तक दे दी है। प्रदेश के 4 जिलों में 9 कोरोना केस सामने आ चुके हैं। गुरुग्राम, फरीदाबाद, यमुनानगर और करनाल में कोरोना के मरीज मिले हैं। कोरोना पॉजिटिव आए लोगों की किसी की भी इंटरनेशनल ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है। हालांकि, 3 मरीजों ने मुंबई, दिल्ली और पंजाब से जरूर ट्रैवलिंग की है। वहीं, हरियाणा के जिन जिलों में केस आए है, वहां पर विभाग अलर्ट नजर आ रहा है। गुरुग्राम में कोविड के 4 केस आ चुके हैं और फरीदाबाद में अब तक 3 केस आ चुके हैं। यहां कोविड सैंपलिंग के लिए RTPCR टेस्ट किए जा रहे हैं। वहीं, इन जिलों में ऑक्सीजन प्लांट हैं, जिन्हें दुरुस्त कर दिया गया है। जिले में एन-95 मास्क, पीपीपी किट व दूसरी कोविड से संबंधित दवाओं का स्टॉक फिलहाल पर्याप्त है। 500 ऑक्सीजन बैड की उपलब्धता है। रोहतक PGI में पल्मोनरी क्रिटिकल केयर एंड मेडिसिन के HOD डॉ. ध्रुव चौधरी ने बताया कि प्रदेश में जो केस आए हैं, जो सभी ओमिक्रॉन वैरिएंट के हैं। हमें वायरस के साथ डील करना सीखना होगा। उन्होंने कहा कि देश से कोरोना खत्म नहीं हो सकता है। हमें मास्क की आदत डालनी होगी। बता दें साल 2020-21 में आई कोरोना लहर में हरियाणा में 10 लाख से ज्यादा मरीज मिले थे, जिनमें से 10 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

# गुजवि के 48 विद्यार्थियों को चौथे सेमेस्टर की शुरूआत में ही मिली नौकरी, कई को मिले प्लेसमेंट ऑफर

दिल्ली/ भव्य खबर।

**हिसार।** गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीनस्थ हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस ने एक बार फिर सिद्ध किया है कि वह न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि विद्यार्थियों के करियर निर्माण व उद्योग की मांगों के अनुरूप कौशल विकसित करने में भी अग्रणी है। इस वर्ष एचएसबी के 48 विद्यार्थियों को चौथे सेमेस्टर की श-रूआत में ही देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में इन-कंपनी प्रोजेक्ट वर्क के लिए चयनित किया गया। इसके अतिरिक्त 100 से अधिक विद्यार्थियों को प्रख्यात भारतीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों से प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त हुए हैं। जो संस्थान की गुणवत्ता, प्रशिक्षण पद्धति और इंडस्ट्री-कनेक्ट को दशार्ता है। गुजविप्रौवि द्वारा 18 व 19 अप्रैल को आयोजित करियर वर्स 2025 नामक दो दिवसीय मेगा जाब फेयर एचएसबी के विद्यार्थियों लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ। इस आयोजन में विभिन्न उद्योग क्षेत्रों से आए 100 से अधिक नियोक्ताओं ने हिस्सा लिया और एचएसबी के 100 से अधिक विद्यार्थियों को समर इंटर्नशिप एवं फुल-टाइम जाब आफर प्रदान किए। इस मेगा फेयर ने विद्यार्थियों को नेट-वर्किंग, रियल-टाइम इंटरव्यू एक्सपीरियंस और इंडस्ट्री की अपेक्ष-ाओं को समझने का व्यापक मंच प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि गुजविप्रौवि केवल डिग्री देने वाली संस्था नहीं है, बल्कि 21वीं सदी के लीडर्स को तैयार करने का केंद्र है। एचएसबी के निदेशक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई ने बताया कि एचएसबी का विजन हमेशा से ही चौतरफा छात्र विकास पर केंद्रित रहा है। हमारे सेमिनार, वर्कशॉप्स, बिजनेस कॉन्क्लेव्स, स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स और इंडस्ट्री इंटर्नशिप्स विद्यार्थियों को एक ऐसा अनुभव प्रदान करते हैं, जो क्लासरूम से बोर्डरूम तक उनकी सफलता सुनिश्चित करता है एचएसबी के डीन प्रो. कर्मपाल नरवाल ने बताया कि एनईपी-2020 के तहत हमने अपने पाठ्यक्रमों को न केवल अद्यतन किया है, बल्कि फ्यूचर-रेडी भी बनाया है। संस्थान का उद्देश्य केवल रोजगार दिलाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को सोचने, विश्लेषण करने और नेतृत्व करने योग्य बनाना है। एचएसबी में संचालित कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को कापोर्रेट जगत की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। एचएसबी के प्रमुख कार्यक्रमों में एमबीए फाइनेंस, एमबीए मार्केटिंग, एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए ड्यूअल स्पेशलाईजेशन, एमबीए बिजनेस एनालिटिक्स, एमबीए हैल्थकेयर तथा इंटेग्रेटिड बीबीए-एमबीए शामिल हैं। यहां दाखिले के इच्छुक अभ्यार्थी अंतिम तिथि 12 जून 2025 तक आवेदन कर सकते हैं।

**गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के 48 छात्रों को प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप मिली है। करियर वर्ष 2025 में 100 से अधिक छात्रों को नौकरी के प्रस्ताव मिले। एचएसबी का उद्देश्य छात्रों को उद्योग की जरूरतों के अनुसार तैयार करना है। यहां एमबीए और बीबीए-एमबीए कई पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 12 जून 2025 है।**

## लाखों की लूट मामले का चंद घंटों में खुलासा ड्राइवरों ने खुद ही रची थी साजिश

**जींद :** जीन्द के अंतर्गत जलेबी चौक के पास हुई लूट के मामले में पुलिस ने बडा खुलासा किया है। पुलिस ने वारदात का चंद घंटों में खुलासा करते हुए 4 आरोपियों को काबू कर लिया है। इस वारदात को मुर्गों की गाड़ी के दोनों ड्राइवरों ने अपने दो और साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नवीन उर्फ भूरिया वह अभिषेक उर्फ छोटा वास राम कॉलोनी जीन्द, अंकित वासी हसनपुर जिला जीन्द व फिरोज खान वासी बडौदी हाल अजमेर बस्ती भिवानी रोड जीन्द के रूप में हुई है। डीएसपी संजय सिंह ने बताया कि दिनांक 23 मई को पुलिस को सूचना मिली कि जीन्द गोहाना हाईवे पर मुर्गों की गाडी के ड्राइवर के साथ मारपीट करके उनसे 517600 रुपये छीन कर ले गए। जिस पर थाना सिविल लाईन जीन्द में अजय नैन वासी बसंत विहार नरवाना की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। जिसने अपनी शिकायत में बताया कि उसका पोल्ट्री का ऑफिस नरवाना और जीन्द में हैं। वह हरियाणा व पंजाब से अलग-अलग फार्मों से तैयार मुर्गे खरीद कर दिल्ली में बेच देता है। 22 मई को ड्राइवर अंकित वासी हसनपुर जिला जीन्द व फिरोज खान वासी बडौदी हाल अजमेर बस्ती भिवानी रोड जीन्द को दड़बा(पंजाब) से मुर्गे भर कर हमारे बताये पते अनुसार दिल्ली पहुंचाने के लिए भेजा था तथा वापसी में हमारे मुर्गो की पेमेंट लाने के लिए कहा था। 23 तारीख को मुर्गों की पेमेंट 5 लाख 17 हजार 600 रुपये लेकर दिल्ली से गोहाना होकर जीन्द आ रहे थे। जीन्द गोहाना रोड जलेबी चौक पर ब्रेजा गाड़ी में आए 5-6 युवकों द्वारा कैंटर को रुकवा कर मारपीट करते हुए अंकित के हाथ में तेजधार हथियार से चोट मार कर 617600 रुपये को लूट कर भाग गए हैं। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले का खुलासा करके आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने बारे अलग-अलग टीमों का गठन किया गया।

## कर्नाटक में कोविड संक्रमित बुजुर्ग की हुई मौत, बेंगलुरु में 32 नए केस

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में कोविड-19 संक्रमित एक 84 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, वह कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे और 13 मई को व्हाइटफील्ड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराए गए थे। इलाज के दौरान 17 मई को उनकी मृत्यु हो गई। शनिवार को आई रिपोर्ट में उन्हें कोरोना पॉजिटिव पाया गया। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राज्य में कुल 38 नए कोविड केस सामने आए हैं, जिनमें से 32 मामले बेंगलुरु से हैं। बढ़ते मामलों के बीच राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने जनता से संयम बनाए रखने और अपनी सामान्य दिनचर्या को जारी रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और घबराने की जरूरत नहीं है।

## सड़क दुर्घटना में जन प्रगति पार्टी के अध्यक्ष और उम्मीदवार की मौत

### -गैस कटर से कार को काटकर नीरज कुमार का शव निकाला बाहर

मोतिहारी (एजेंसी)। बिहार के मोतिहारी जिले में शनिवार रात एक सड़क हादसे में जन प्रगति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नीरज कुमार और केसरिया विधानसभा क्षेत्र से पार्टी की उम्मीदवार ज्ञानती देवी की मौत हो गई। यह हादसा एनएच-27 पर हुआ। इस दुर्घटना में चार अन्य लोग भी घायल हुए हैं। उनमें से दो की हालत गंभीर है। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक यह दुर्घटना एनएच-27 पर डुमरिया घाट थाना क्षेत्र के जलवा टोला के पास हुई। जन प्रगति पार्टी के कुछ सदस्य लखनऊ में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। वह शनिवार रात मोतिहारी से निकले। रास्ते में उन्होंने केसरिया के नया गांव की रहने वाली ज्ञानती देवी को भी अपने साथ ले लिया। उनकी कार जलवा टोला के पास पहुंची, तभी वह सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। बताया जा रहा है कि कार बहुत तेज रफ्तार में थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त गई। आसपास के लोगों ने हादसे की आवाज सुनी तो तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने डुमरिया घाट थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गैस कटर से कार को काटकर नीरज कुमार का शव बाहर निकाला। ज्ञानती देवी को गंभीर हालत में पास के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। नीरज कुमार और ज्ञानती देवी दोनों ही अपने क्षेत्र में लोकप्रिय थे। लोगों को उनके निधन से गहरा दुख हुआ है।

## पटना में हवा में गोलीबारी से हड़कंप, छह पुलिसकर्मी निलंबित

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में शनिवार शाम बोरिंग कैनाल रोड पर उस समय दहशत फैल गई, जब अज्ञात बदमाशों ने हवा में कई राउंड फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। फायरिंग की यह घटना पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद हुई। पटना एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि घटना के दौरान लापरवाही बरतने पर छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। फिलहाल किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इस घटना की गंभीरता तब और बढ़ गई जब यह सामने आया कि कानून एवं व्यवस्था के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पंकज दराद उसी समय बैठक से लौट रहे थे और घटनास्थल के पास मौजूद थे। एसडीपीओ साकेत कुमार के अनुसार, बदमाश काले रंग की एसयूवी में सवार थे। उन्होंने पार्किंग विवाद के बाद हवा में कई गोलियां चलाईं। एडीजी के सुरक्षा गार्ड ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए जीपीओ गोलंबर के पास एक राउंड फायर किया, लेकिन बदमाश तेजी से भाग निकले। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज की मदद से बदमाशों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि बदमाशों की गाड़ी पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी, जिससे उनकी पहचान में दिक्कत आ रही है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, और पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। यह घटना पटना जैसे संवेदनशील और वीआईपी क्षेत्र में हुई, जिससे कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

## महिला से गैंगरेप, सरिया डालकर बच्चेदानी निकाली, पीड़ता की तड़प तड़प कर मौत

### - निर्भया जैसी वारदात खंडवा जिले के एक गांव में

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के आदिवासी अंचल खालवा में एक महिला के साथ दो दरिंदों ने सामूहिक रूप से दुष्कर्म किया। उसके बाद उसके निजी अंग में सरिया डालकर उसकी बच्चेदानी बाहर निकाल ली। बलात्कार की शिकार महिला की तड़प तड़प कर मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। जिस तरह से पीड़ता के साथ क्रूर व्यवहार किया गया है। उससे मानवता शर्मसार हो गई है। स्थानीय पुलिस के अनुसार शनिवार को पीड़िता की 16 साल की बेटी ने घटना की सूचना दी। बेटी ने सूचना में बताया, हरि पालवी उम्र 35 वर्ष के घर उसकी मां लहुलहान हालत में पड़ी है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। वहां पर महिला अर्धनग्न अवस्था में अचेत पड़ी हुई थी। पुलिस ने ग्रामीणों से जब इस बारे में जानकारी ली। उन्होंने पुलिस को बताया घटना के समय महिला के साथ सुनील धुर्वे उम्र 26 वर्ष तथा हरी पालवी उम्र 35 वर्ष मौजूद थे। दोनों पुरुष महिला के पूर्व परिचित थे। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछतांक्ष शुरू की। पुलिस अधीक्षक खंडवा राजेश रघुवंशी के अनुसार महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की बात सामने आई है। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस जब मौके पर पहुंची थी। महिला की मौत हो चुकी थी। शरीर में जगह-जगह चोट के निशान थे। निजी अंगों से खून बह रहा था। महिला की बच्चेदानी बाहर निकली पड़ी थी। पुलिस को संदेह है, बच्चेदानी को सरिए की सहायता से बाहर निकाला गया है। महिला के दो बच्चे हैं। दोनों आरोपी, महिला के परिचित थे। शुक्रवार को सभी शादी के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

# उत्तराखंड में विकसित होगी टिकाऊ ड्रेनेज प्रणाली, सीएम धामी ने मांगी केंद्र से मदद

**देहरादून (एजेंसी)।** बाढ़, बारिश और आंधी तूफान के चलते उत्तराखंड के कई हिस्सों में पानी की निकासी होना कठिन हो जाता है। इसके लिए एक मजबूत ड्रेनेज सिस्टम की जरुरत होती है। इसे विकसित करने के लिए राज्य सरकार ने केंद्र से सहायता मांगी है। पर्वतीय क्षेत्रों में एप्पल मिशन, कीवी मिशन, मिलेट मिशन समेत कई हाई वैल्यू एग्रीकल्चर को प्रोत्साहित किया जा रहा है।ऐसे में इन क्षेत्रों में सिंचाई व्यवस्था मजबूत करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को नीति आयोग की शासी परिषद की 10वीं बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्र का मात्र 10 प्रतिशत भू-भाग ही सिंचित हो पा रहा है। उन्होंने पीएम कृषि सिंचाई योजना में लिफ्ट इरिगेशन को सम्मिलित करने का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य में तेजी से हो रहे शहरीकरण के चलते शहरों में ड्रेनेज की समस्या एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। उन्होंने अनुरोध किया कि इस समस्या के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर टिकाऊ ड्रेनेज प्रणाली विकसित करने के लिए विशेष योजना बनाई जाए।उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हिमनद आधारित नदियों को वर्षा आधारित नदियों से जोड़ने को नदी जोड़ो परियोजना के साथ चेक डैम और लघु जलाशयों का निर्माण किया जा रहा है। इससे वर्षा जल को संरक्षित किया जा सकेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जीडीपी में प्राथमिक सेक्टर का योगदान जहां मात्र 9.3 प्रतिशत है। वहीं, इस कार्य में लगभग 45 प्रतिशत आबादी लगी है। इस समस्या को देखते हुए लो वैल्यू एग्रीकल्चर के स्थान पर हाई वैल्यू एग्रीकल्चर अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। राज्य में एप्पल मिशन, कीवी मिशन, ड्रैगन फ्रूट मिशन, मिलेट मिशन तथा सगंध कृषि की परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 में उत्तराखंड में पर्वतीय महाकुंभ के रूप में प्रसिद्ध मां नंदा राजजात यात्रा और वर्ष 2027 में हरिद्वार में कुंभ का आयोजन होना है। इन दोनों आयोजनों को भव्य एवं दिव्य बनाने के लिए उन्होंने केंद्र से सहयोग मांगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में डेमोग्राफिक डिविडेंड की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस लाभ को प्राप्त करने के लिए एक निश्चित समय सीमा में इसका दोहन करना आवश्यक है। इस दृष्टि से आने वाले दस वर्ष हमारे प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इन्हीं वर्षों में हम डेमोग्राफिक डिविडेंड का सर्वाधिक लाभ उठा सकते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए राज्य में विशेषरूप से स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि सतत एवं समावेशी विकास पर विशेष ध्यान देते हुए जीडीपी की तर्ज पर जीईपी अर्थात ग्रोस एनवायरमेंट प्रोडक्ट इंडेक्स जारी करने की शुरुआत की है। इस आकलन से अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के मध्य बेहतर सामंजस्य स्थापित हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जियोथर्मल ऊर्जा नीति शीघ्र लागू की जाएगी।

## सीएम मान ने नीति आयोग की बैठक में पीएम मोदी से की मांग

### -पंजाब को दिए जाएं 50 जैमर ड्रोन, पाक से लगी सीमा पर करेंगे तैनात

**चंडीगढ़।** पंजाब के सीएम भगवंत मान ने केंद्र सरकार के सामने कुछ मांगे रखीं थी। ये मांगे पंजाब के सीमावर्ती इलाकों के लिए थीं। उन्होंने नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में ये बात कही। इस बैठक की अध्यक्षता पीएम नरेंद्र मोदी ने की। सीएम मान ने कहा कि पंजाब को पाकिस्तान से लगने वाली 553 किलोमीटर लंबी सीमा पर 50 और ड्रोन जैमर चाहिए। उन्होंने कहा कि ये जैमर सीमा पार से होने वाले ड्रोन हमलों को रोकने के लिए जरूरी हैं। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। उस दौरान पाकिस्तान ने भारत के सीमावर्ती राज्यों पर ड्रोन से हमले किए थे। भारत ने उन ड्रोन को मार गिराया था। सीएम मान ने केंद्र सरकार से अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का और पठानकोट जैसे छह सीमावर्ती जिलों के विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रांट की भी मांग की है। इसके अलावा उन्होंने पंजाब में ड्रग्स की तस्करी रोकने और सीमा सुरक्षा बढ़ाने के लिए 2,829 करोड़ की ग्रांट की मांग की। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 53,000 गिरफ्तारियां हुई हैं और 3,579 किलो हेरोइन जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि इन पैसों का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए किया जाएगा। जेलों को और सुरक्षित बनाया जाएगा और नशा छुड़ाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। ड्रोन जैमर एक ऐसा उपकरण है जो ड्रोन को सिग्नल भेजने और प्राप्त करने से रोकता है। इससे ड्रोन को कंट्रोल करना मुश्किल होता है और उसे मार गिराना आसान।

## आतंकवाद एक वैश्विक कैंसर है और इसका केंद्र पाकिस्तान है

### -प्रतिनिधिमंडल रवाना होने से पहले रविशंकर ने कहा- दुनिया को बताएंगे सच्चाई

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर पाकिस्तान की सच्चाई बताने बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल विदेश रवाना हो गया है। ये प्रतिनिधिमंडल 25 मई से 7 जून तक यूरोप के छह देशों- फ्रांस, इटली, डेनमार्क, इंग्लैंड, बेल्जियम और जर्मनी जाएगा।

विदेश जाने से पहले रविशंकर ने कहा कि हम दुनिया को बताएंगे कि भारत शांति और सद्भाव में विश्वास रखता है, लेकिन अगर निर्दोष भारतीयों पर हमला होता है तो उसका जवाब जरूर दिया जाएगा। अगर हमारी बहनों-बेटियों का सिंदूर कोई उजाड़ेगा तो उसे ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि हम दुनिया को बताएंगे कि आतंकवाद एक वैश्विक कैंसर है और इसका केंद्र पाकिस्तान है। इस आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को एकजुट होकर एक ही आवाज में बोलने की जरूरत है।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि हमारा संदेश स्पष्ट है। पाकिस्तान आज आतंकिस्तान बन गया है। सभी आतंकवादियों की जड़ें पाकिस्तान में पाई जाती हैं। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का हमारा संकल्प पाकिस्तान को कमजोर करेगा और उसके आतंकवाद को खत्म करेगा। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए भारत से सभी 7 प्रतिनिधिमंडल रवाना हो चुके हैं। इनमें से 6 प्रतिनिधिमंडल अपने-अपने तय देश पहुंच चुके हैं। दो प्रतिनिधिमंडल 21 मई को, एक 22 मई को, तीन 24 मई को और एक 25 मई को विदेश रवाना हो चुके हैं।

# गौरव गोगोई ने सीएम पर साधा निशाना, कहा- सबूत न दे पाना उनकी कमजोरी

### -पाकिस्तान से संबंधों के आरोपों को बताया बेबुनियाद

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस सांसद और लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के उन आरोपों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिनमें कहा गया था कि उनके और उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध हैं। गोगोई ने आरोपों को बेबुनियाद और सबूतविहीन बताया है और कहा है कि मुख्यमंत्री का बार-बार सबूत देने में असफल रहना उनकी कमजोरी को दर्शाता है।

गोगोई ने अपने लोकसभा क्षेत्र जोरहाट के माजुली इलाके में मीडिया से बात करते हुए कहा, जब कोई मुख्यमंत्री कुछ कहता है, तो हम उम्मीद करते हैं कि वह साक्ष्यों के साथ कहे। भाजपा आईटी सेल की पोस्ट और

मुख्यमंत्री की टिप्पणी में फर्क होना चाहिए। सबूत न देना उनकी कमजोरी है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने पहले भी इस तरह के झूठे आरोप लगाए हैं, लेकिन जब बात एक राज्य के मुख्यमंत्री की होती है, तो जवाबदेही जरूरी है।

### गोगोई की 'नॉकआउट पंच' रणनीति

गोगोई ने अपने जवाब में मुक्केबाज़ी की भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा, नॉकआउट पंच अंत में दिया जाता है। सबको धैर्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी वह रणनीतिक चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन समय आने पर पूरा जवाब दिया जाएगा। इसी के साथ ही मुख्यमंत्री हिमंत के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने 10 सितंबर तक सबूत सामने लाने की बात कही थी, गोगोई ने चुटकी लेते हुए कहा, क्या यह कोई फिल्म है जिसकी रिलीज डेट पहले से तय है? क्या हम सिंघम 1 या सिंघम 2 देख रहे हैं?

मुख्यमंत्री हिमंत ने गोगोई पर आरोप लगाया था कि उन्होंने पाकिस्तान जाकर आईएसआई के आमंत्रण पर प्रशिक्षण लिया, और खुफिया नेटवर्क खड़ा करने में सक्रिय भूमिका निभाई। गोगोई ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेता भी पहले पाकिस्तान जा चुके हैं, तो क्या उन पर भी यही आरोप लगेंगे?

## 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर 19 को मतदान, 23 जून को आएंगे परिणामे

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। जहां चुनाव होना है उसमें गुजारात की 2, पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट शामिल है। यहां 19 जून को मतदान होगा और 23 जून को नतीजे आ जाएंगे। ये उपचुनाव विधायकों के इस्तीफे या मौत की वजह से ये खाली हुई सीटों पर हो रहे हैं। गुजरात में कादी और विसावदर सीट पर चुनाव होगा। केरल में नीलांबुर, पंजाब में लुधियाना और पश्चिम बंगाल में कालीगंज सीट पर भी उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने कहा है कि सभी इलाकों में चुनाव की तैयारी पूरी हो चुकी है। आयोग ने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सारे जरूरी कदम उठाए जाएंगे।चुनाव आयोग के अनुसार, इन सभी क्षेत्रों में चुनाव की तैयारी पूरी कर ली गई है। मतलब वोटिंग की सारी व्यवस्था हो चुकी है। आयोग ने यह भी कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। यानी, किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। इन उपचुनावों के नतीजे इन राज्यों की राजनीति में कुछ बदलाव ला सकते हैं। देखना होगा कि कौन सी पार्टी इन सीटों पर जीत हासिल करती है।

# दिल्ली-एनसीआर में महज 2 घंटे की बारिश से मचा हाहाकार, उड़ानों पर हुआ असर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली-एनसीआर में हुई चंद घंटों की बारिश ने हाहाकार जैसी स्थिति निर्मित कर दी है। यह बारिश रात को हुई जिससे दिल्ली का हाल बुरा हो गया है। एक तरफ सड़कों में जलभराव देखा गया तो वहीं दूसरी तरफ तेज आंधी के साथ बारिश के चलते विमानों की उड़ानों पर भी असर पड़ा है।

दिल्ली-एनसीआर में रविवार तड़के जमकर झमाझम बारिश हुई है। मौसम विभाग की मानें तो करीब 60 किमी प्रतिअवर की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम में ठंडक घुलने के साथ ही जहां राहत लोगों ने महसूस की तो वहीं जलभराव से परेशानी भी खड़ी हो गई। इससे पहले दिल्ली-एनसीआर में रात भर बारिश का माहौल बनता रहा। तेज बारिश में दिल्ली की अनेक सड़कें लबालब भर गईं, लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो गया। दरअसल दिल्ली-एनसीआर से लेकर हरियाणा और पश्चिमी यूपी में आधी रात से आंधी के साथ बारिश का मौसम बन गया। दिल्ली, नोएडा से लेकर

गाजियाबाद तक तेज हवाएं चलीं और बारिश हुई। दिल्ली में भारी बारिश के चलते मोती बाग, मिंटो रोड, दिल्ली छावनी और दीन दयाल उपाध्याय मार्ग समेत राष्ट्रीय राजधानी की अनेक सड़कों पर जलभराव देखने को मिला है। इसके अलावा, तेज हवाओं के चलते कई इलाकों में पेड़ गिरे और बिजली के खंभे उखड़ गए। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से मौसम में ठंडक तो आ गई, मगर लोगों के लिए परेशानी भी बढ़ गई। दिल्ली में जगह-जगह सड़कों पर जलभराव की स्थिति बनी है। जैसे-तैसे वाहन सड़कों पर रेंगते नजर आए हैं। आंधी और बारिश से दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स भी प्रभावित हुई हैं।

यूपी-बिहार में शनिवार को भी तेज बारिश हुई। महाराष्ट्र और तमिलनाडु में भी मौसम मेहरबान दिखा है। खास बात यह है कि केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है।

### उड़ानें हुईं प्रभावित

दिल्ली में बदले मौसम के मिजाज के बीच देश के सबसे बड़े इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर 17 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत 49 विमानों के मार्ग परिवर्तित किए गए। विमानन कंपनी 'इंडिगो' ने रविवार तड़के करीब 04 बजे सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए बताया कि दिल्ली में प्रतिकूल मौसम की वजह से विमान संचालन में अस्थायी बाधाएं पैदा हुई हैं। इसके साथ ही कहा गया कि मौसम धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है लेकिन हवाई क्षेत्र में कुछ अवरोध बना हुआ है। इंडिगो ने आगे कहा, कि 'आपको हम आश्वस्त करते हैं कि परिस्थितियां अनुकूल होने के साथ ही उड़ानों की आवाजाही फिर से शुरू की जाएगी।'

### आरएसएस प्रमुख भागवत ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर विचार व्यक्त किए

## सुरक्षा केवल सरकार या सेना की जिम्मदारी नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक एकता को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा कि भारत को अब शक्ति संपन्न राष्ट्र बनने की दिशा में सतत प्रयास करने होंगे। उन्होंने यह बात ऐसे समय कही है जब संघ अपने शताब्दी वर्ष की तैयारी कर रहा है और हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है।

एक साक्षात्कार के दौरान भागवत ने स्पष्ट किया, कि हम ताकतवर इसलिए नहीं बनना चाहते कि हम विश्व पर प्रभुत्व जमाएं, बल्कि इसलिए कि हम सभी को एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सशक्त जीवन दे सकें। हमारी सीमाओं पर बुरी ताकतें सक्रिय हैं, ऐसे में शक्ति अर्जित करना आवश्यक है। भागवत ने कहा कि सुरक्षा केवल सरकार या सेना की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत समाज से होती

है। उन्होंने कहा, हिंदू समाज को आत्मरक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए। जब हिंदू मजबूती से खड़े होते हैं, तभी दुनिया उन्हें गंभीरता से लेती है। उन्होंने सांस्कृतिक, मानसिक और सामाजिक एकता को भी राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम पहलू बताया। उनका कहना था कि समाज में जातीय समरसता, पारिवारिक मूल्य और पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना जितनी मजबूत होगी, राष्ट्र उतना ही सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि एक बंटा हुआ समाज कभी खुद की रक्षा नहीं कर सकता।

### युद्ध न हो, इसकी तैयारी ज़रूरी

आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा, कि हम युद्ध नहीं चाहते, लेकिन युद्ध न हो इसकी तैयारी आवश्यक है। ऐसी शक्ति हमारे पास हो कि दुनिया की कोई भी ताकत हमें चुनौती न दे सके। हमें आत्मनिर्भर बनना होगा, किसी अन्य देश पर निर्भर रहकर सुरक्षा संभव नहीं है।

# कोरोना का कहर शुरुः महाराष्ट्र-कर्नाटक समेत कई राज्यों में मचा हड़कंप

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एक बार फिर कोरोना का कहर शुरु होता दिखाई दे रहा है। यूपी, एमपी, दिल्ली, महाराष्ट्र और कर्नाटक सहित कई राज्य हैं जहां कोरोना पांस पसारना शुरु कर दिया है। कहीं कहीं मौत की भी खबरें आई हैं। कई राज्यों में कोरोना के नए वेरिएंट के केस लगातार बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने शनिवार को कोविड-19 के केसों को लेकर समीक्षा बैठक बुलाई थी। इतनी राहत की बात है कि ज्यादातर नए मामले हल्के हैं और घर पर ही लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है। कुछ राज्यों ने कोरोना को लेकर तैयारी शुरू कर दी है।

कोरोना के 23 मामले सामने आए थे। केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली में कोरोना के मरीज पाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक नए वेरिएंट एनबी.1.8.1 का एक और एलएफ.7 के चार केस भारत में पाए गए हैं। डब्ल्यूएचओ ने इन दोनों वेरिएंट की पहचान बताई थी। हालांकि यह नहीं कहा था कि ये वेरिएंट बहुत खतरनाक हैं। इन वेरिएंट की वजह से चीन और एशिया के अन्य हिस्सों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं।

उत्तराखंड में दो केस, दिल्ली में अलर्ट

उत्तराखंड में कोरोना के दो मामले सामने आए हैं। मरीजों को ऋषिकेश एम्स में भर्ती करवाया गया है। हालांकि प्रदेश सरकार का कहना है कि कोरोना के मामले बेहद हल्के हैं और किसी तरह के डर की कोई बात नहीं है। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि ये मरीज राज्य के बाहर से ही संक्रिमित होकर आए थे। कोरोना के 23 मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। संक्रमण रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अडवाइरी जारी की है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने कहा कि कोरोना से किसी तरह की घबराने की बात नहीं है। सरकार स्थिति पर पूरा ध्यान दे रही है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार है।

### कर्नाटक सरकार ने जारी की एडवाइजरी

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा है कि कोविड के नए मामलों को लेकर डर वाली कोई बात नहीं है। इस साल कर्नाटक में कोरोना के कुल 35 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं बीते 15 दिनों में केस तेजी से पाए गए हैं। शनिवार को बेंगलुरु में कोरोना से संक्रमित एक 84 साल के शख्स की मौत हो गई थी। वहीं बेंगलुरु में एक 9 महीने का बच्चा भी कोरोना संक्रमित पाया गया है। जानकारी के मुताबिक बच्चे की हालत स्थिर है।

### हरियाणा भी अलर्ट

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने शनिवार को कहा कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए अस्पतालों को तैयार रहने का आदेश दिया गाय है। लेकिन लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। 23 मई की रिलीज के मुताबिक हरियाणआ में चार केस पाए गए थे। दो गुरुग्राम और दो फरीदाबाद में। किसी भी मरीज की कोई इंटरनेशनल ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है।

### कई राज्यों में मिले केस

उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक 55 साल की महिला को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। उसे घर पर ही क्वारंटाइन में रखा गया है। इसके अलावा शुक्रवार को चार लोग गाजियाबाद में कोविड

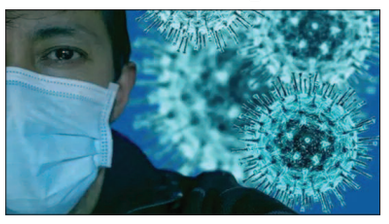

पॉजिटिव पाए गए थे। महाराष्ट्र के ठाणे में कोरोना के आठ नए मरीज शनिवार को पाए गए। वहीं एक मरीज की मौत हो गई। ठाणे में कोविड के कुल 18 ऐक्टिव केस हैं। इनमें से केवल एक अस्पताल में है बाकी का इलाज घर पर ही चल रहा है। शुक्रवार की रिपोर्ट के मुताबिक हैदराबाद में कोविड का एक केस पाया गया था। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में कोरोना के चार मरीज पाए गए।

# हेरा फेरी 3 से परेश रावल के हटने पर आया सुनील शेट्टी का रिएक्शन

इन दिनों परेश रावल सुर्खियों में हैं। उन्होंने फिल्म हेरा फेरी 3 से खुद को अलग कर लिया है। इस पर अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपना रिएक्शन दिया है। हाल ही में एक एक इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने कहा कि जब उन्हें पता चला कि हेरा फेरी 3 से परेश रावल हट रहे हैं तो वह हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि इस फ्रेंचाइजी की फिल्मों से हटना बड़ा नुकसान है। उन्होंने बताया कि अक्षय कुमार को भी इसके बारे में जानकारी नहीं थी।

### सुनील शेट्टी हुए हैरान

सुनील शेट्टी ने बातचीत में बताया कि मेरा मतलब है यह मेरे लिए बहुत बड़ा सदमा है। मैं यहां इसलिए आया हूं क्योंकि मैंने कल ही यह सुना था, और फिर आज, कुछ और खबरें आईं। इसलिए, मुझे फोन करके पता लगाना है। मैं पूरी तरह से टूट गया हूं क्योंकि अगर कोई एक फिल्म थी जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा था, तो वह हेरा फेरी थी। परेश रावल के बिना नहीं बन सकती फिल्म हेरा फेरी 3 में सुनील शेट्टी श्याम का किरदार निभाने वाले हैं। सुनील शेट्टी ने बताया कि उन्हें लगता है कि बाबू भैया के बिना तीसरी किस्त नहीं बन सकती। सुनील शेट्टी ने कहा परेश रावल के बिना 100 प्रतिशत यह नहीं बन सकती। मेरे और अक्षय के बिना इसकी 1 प्रतिशत संभावना हो सकती है, लेकिन परेश जी के बिना 100 प्रतिशत नहीं बन सकती। सुनील शेट्टी ने कहा कि वह नहीं जानते कि फिल्म का क्या होगा। उन्होंने कहा यह फिल्म हमारे दिमागी सेहत के लिए बहुत अहम है। मैं नहीं जानता कि क्या होने वाला है।

### परेश रावल ने दी फिल्म से हटने की जानकारी

आपको बता दें कि हाल ही में परेश रावल ने अक्षय कुमार की फिल्म हेरा फेरी 3 से खुद को अलग कर लिया है। परेश रावल ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर भी दी है। खबर है कि नुकसान की भरपाई के लिए अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस ने परेश रावल पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

# साउथ में काम करने के दौरान हुआ बुरा अनुभव

संयमी खेर के करियर को लगभग दस साल हो चुके हैं। एक तेलुगू फिल्म 'रे' से इस एक्ट्रेस ने करियर की शुरुआत की। इसके बाद साल 2016 में राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'मिर्जिया' से बॉलीवुड में कदम रखा। अब तक वह कई फिल्में और कुछ वेब सीरीज में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में इस एक्ट्रेस ने बताया कि जब करियर शुरू कर रही थी, स्ट्रगल कर रही थी तो उन्हें भी कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा।

संयमी खेर ने हाल ही में बातचीत में कहा, 'शुरुआती दौर में फिल्म इंडस्ट्री में एक एजेंट थी जिसने मुझे 19 या 20 साल की उम्र में एक तेलुगू फिल्म के लिए बुलाया था। उसने कहा कि तुम्हें पता है, तुम्हें समझौता करना पड़ेगा। तो मैंने उनसे पूछा कि मैम मैं समझ नहीं पा रही हूं कि आप क्या कह रही हैं? इस पर वह बोलीं, 'देखो, तुम्हें समझना होगा। तब मैंने कहा कि आपको लगता है कि मुझे इस रास्ते पर चलने की जरूरत है। मेरी अपनी लिमिट है, जिन्हें मैं अपनी जिंदगी में कभी पार नहीं करूंगी।'

### इन फिल्मों-वेब सीरीज में संयमी नजर आई

अब तक संयमी चोक्ड, अनपॉज्ड और वाइल्ड डॉग और हाईवे जैसी साउथ की फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वह आर. बाल्की की फिल्म 'घूमर' में लीड रोल भी कर चुकी हैं। हाल ही में वह सनी देओल की फिल्म 'जाट' में भी नजर आईं। वेब सीरीज 'स्पेशल ऑप्स', 'ब्रीद' और 'फाडू' में भी वह अहम किरदार निभा चुकी हैं।

### फिल्मी परिवार से है नाता

50 के दशक की मशहूर अभिनेत्री उषा किरण संयमी खेर की दादी हैं। संयमी के पिता मॉडल रह चुके हैं। साथ ही संयमी की बुआ तन्वी आजमी भी नामी एक्ट्रेस हैं। संयमी की बड़ी बहन संस्कृति भी मराठी फिल्मों में एक्टिंग करती हैं। इस तरह संयमी का लगभग पूरा परिवार ही फिल्मों से जुड़ा है।

# आदर्श गौरव शनाया कपूर के साथ जल्द करेंगे 'तू या मैं' की शूटिंग

फिल्म 'तू या मैं' एक सर्वाइवल थ्रिलर है। फिल्म में दर्शको को प्यार, रोमांस के अलावा सस्पेंस भी देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी का जहां तक सवाल है तो इसमें दो इंफ्लुएंसर हैं, जो एक मुश्किल में फंस जाते हैं, इस दौरान उनका सामना मौत से होता है। इस स्टोरी लाइन के साथ फिल्म 'तू या मैं' बन रही है। जल्द ही इसकी शूटिंग आदर्श गौरव और संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर करेंगे।

हाल ही में एक बातचीत में आदर्श गौरव कहते हैं, 'मैं इस फिल्म की शूटिंग को लेकर काफी एक्साइटेड हूं। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होगी। मैंने इस तरह की फिल्म पहले नहीं की है, यह बिल्कुल अलग जॉनर की फिल्म है।'

निर्देशक बेजॉय-शनाया के साथ काम करके खुश आदर्श गौरव आगे कहते हैं, 'बेजॉय नांबियार के साथ काम करना कमाल का अनुभव है, उनकी सिनेमा की समझ बिल्कुल अलग है। वहीं शनाया कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करना भी खास एक्सपीरियंस है। मैं बहुत एक्साइटेड हूं, दर्शकों को यह बताने के लिए हम क्या नया बना रहे हैं।'

### आदर्श गौरव-शनाया के बाकी प्रोजेक्ट्स

आदर्श गौरव के करियर फ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में फिल्म 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' में नजर आए थे। वहीं फिल्म 'तू या मैं' के अलावा शनाया कपूर को हाल ही में एक और फिल्म मिली है। इस फिल्म का नाम 'जेसी है। इसके अलावा वह विक्रांत मैसी के साथ एक फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' की भी कर रही हैं। इसी फिल्म से शनाया का डेब्यू बॉलीवुड में हो रहा है।

# कमल हासन ने बताया कैसे हुई मणिरत्नम से दोस्ती

तमिल सुपरस्टार और दिग्गज अभिनेता कमल हासन इन दिनों अपनी फिल्म 'ठग लाइफ' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का ट्रेलर भी जारी हो चुका है, जिसे लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। अब फिल्म की पूरी स्टारकास्ट प्रमोशन में जुटी हुई है। इस दौरान कमल हासन ने इस फिल्म में दिग्गज फिल्ममेकर मणिरत्नम के साथ 35 साल बाद फिर से काम करने और उनके साथ अपनी दोस्ती को लेकर चर्चा की।

### ऐसे हुई कमल हासन और मणिरत्नम की दोस्ती

कमल हासन ने मणिरत्नम के साथ आखिरी बार 1987 की सुपरहिट फिल्म 'नायकन' में काम किया था। इसके बाद दोनों ठग लाइफ में साथ आ रहे हैं। मणिरत्नम के साथ अपने रिश्ते और दोस्ती का जिक्र करते हुए कमल हासन ने कहा, मैं उन्हें उसी इलाके में रहने वाले एक दोस्त के रूप में जानता हूं। मुझे यह भी नहीं पता था कि वह एक फिल्मी परिवार से हैं। वह एक इंसान थे और मुझे उनके बात करने का तरीका पसंद आया। हम दोस्त बन गए। हमारे दोस्तों का एक ग्रुप था और हम केवल सिनेमा के बारे में बात करते थे और कोई गपशप नहीं करते थे और यहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई।

### 'हम खुद फिल्मों के प्रशंसक हैं'

खुद को और मणिरत्नम को फिल्म लवर और सिनेमा का फैन बताते हुए कमल हासन ने एक किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया, जब हम कोलाबा के पास 'नायकन' की शूटिंग कर रहे थे और रमेश सिप्पी साहब फिल्म सिटी में शूटिंग कर रहे थे। हम सभी रमेश सिप्पी की शूटिंग देखने गए थे। हम भी प्रशंसक हैं, फिल्म लवर हैं और यही हमें यहां लाया है। हम किसी भी सेट पर जाकर किसी को भी देखेंगे, खासकर जिन्हें हम प्रतिभाशाली मानते हैं, हम उन्हें और अधिक देखना चाहेंगे।

### मणिरत्नम ने की कमल की तारीफ

इस दौरान निर्देशक मणिरत्नम ने भी कमल हासन के साथ अपनी दोस्ती को याद किया। उन्होंने कहा, मुझे याद है जब वह तमिल में 'सदमा' की योजना बना रहे थे और मैंने जो कहानी सुनी है, वह मेरे दिमाग में बसी हुई है, जब उन्होंने कहानी सुनी। वह वापस आए और उन्होंने उस सीन को किया और उन्हें बताया कि वह सीन क्या था। इस तरह के व्यक्ति हैं कमल हासन। मैं भाग्यशाली था कि मैं उनके साथ काम करते हुए उनसे बातचीत करने में सक्षम था। इसलिए, मुझे पता था कि कोई ऐसा व्यक्ति है जो हम सभी के लिए एक बड़ा रास्ता बना रहा है और उसने वही किया है।

# रितेश की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म का पोस्टर रिलीज, अभिषेक-संजय भी हिस्सा

एक्टर रितेश देशमुख दर्शकों के लिए एक शानदार फिल्म लेकर आ रहे हैं, जो स्टार कलाकारों से भरी हुई है। छत्रपति शिवाजी महाराज पर आधारित फिल्म राजा शिवाजी का पहला लुक जारी हो गया है। इसकी जानकारी रितेश ने अपने सोशल मीडिया पर बताई है, इसके साथ ही उन्होंने फिल्म के स्टार कास्टों के बारे में भी जानकारी दी है।

अभिनेता रितेश देशमुख खुद के निर्देशन में मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित एक फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है राजा शिवाजी। डायरेक्शन में डेब्यू के साथ-साथ रितेश देशमुख इसमें मुख्य भूमिका में भी नजर आएंगे, यानी कि अभिनेता शिवाजी महाराज की भूमिका में दिखेंगे। इसकी एक झलक भी दिखाई गई है, जिसे एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य को दिखाया गया है, जो तलवार लिए हुए हैं और दुश्मन उनके सामने ढेर पड़े हुए हैं। इस फिल्म में रितेश देशमुख के अलावा अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, अमोल गुप्त और जेनेलिया जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम पर यह पोस्ट शेयर किया है। उन्होने कैप्शन में लिखा, 'भारत के महान योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज को सिनेमाई श्रद्धांजलि पेश करने के लिए विशेषाधिकार प्राप्त और सम्मानित महसूस कर रहे हैं।'

# थिएटर में 'भूल चूक माफ' की स्क्रीनिंग के दौरान देखें जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स की 'परम सुंदरी' का एक्सक्लूसिव फर्स्ट लुक

निमार्ता दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स और निर्देशक तुषार जलोटा ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'परम सुंदरी' का एक्सक्लूसिव फर्स्ट लुक जारी कर दिया है, जिसे फिल्म 'भूल चूक माफ' के दौरान सिनेमाघरों में देखा जा सकता है। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की यह नई रोमांटिक जोड़ी पहली बार स्क्रीन शेयर कर रही है और ऑन-स्क्रीन इस नई जोड़ी अपनी बेमिसाल रोमांटिक केमिस्ट्री सिनेप्रेमियों को मंत्रमुग्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार है। पर्दे पर यह नई जोड़ी अनूठा रोमांस करती दिखेगी, जिनके साथ दर्शकों को भी प्यार में पड़ने के लिए तैयार रहना होगा! दरअसल, 'परम सुंदरी' उत्तर-दक्षिण भारत की एक खूबसूरत लवस्टोरी है और इसी के साथ यह अपने दर्शकों को एक ऐसा सिनेमाई अनुभव देने के लिए तैयार है, जो लुभावना ही नहीं, बल्कि अविस्मरणीय भी होगा। माना जाता है कि पहली फ्रेम ही नहीं, बल्कि हर एंगल से यह नई जोड़ी अपने आकर्षण में दर्शकों को बांधे रखेगी। यही वजह है कि सिनेप्रेमी अभी से इस फिल्म को लेकर कुछ अधिक ही जिज्ञासु नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही सोनू निगम की आवाज के साथ फिल्म का मधुर बैकग्राउंड स्कोर इसे एक ऐसा म्यूज़िक एलबम बनाता है, जिसे देखना वाकई बेहद दिलचस्प होगा। मैडॉक फिल्म्स बहुत जल्द एक और एलमम भी रिलीज करने वाला है। कुल मिलाकर, 'परम सुंदरी' सिनेप्रेमियों के दिलों की धड़कनों को तेज करने और पर्दे पर धमाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।